epaper.dehatsandesh.com

3 कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर में राज्य का दर्जा देने के लिए आंदोलन किया तेज

5 जोकोविच ने वापसी करते ही वर्डास्को के साथ हासिल की धमाकेदार जीत

8 प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण

न्यूनतम 12 मौसम जम्मू अधिकतम 22

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-47 | जम्मू तवी, बुधवार 19 फरवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

भारत कतर के बीच बनी रणनीतिक साझीदारी, व्यापार होगा दोगुना

नयी दिल्ली 18 फरवरी। भारत एवं कतर ने अपने दोपक्षीय रिश्तों को 'रणनीतिक साझीदारी' के स्तर पर उन्नत करते हुए आपसी व्यापार को पांच साल में दो गुना करने, भारत में कतर निवेश केन्द्र खोले जाने तथा भारत एवं कतर के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने की आज घोषणा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी के बीच यहां हैदराबाद हाउस में हुई द्विपक्षीय शिखर बैठक में ये निर्णय लिये गये। दोनों देशों ने वैश्विक एवं क्षेत्रीय भूराजनीतिक मामलों पर भी विचार विमर्श किया जिनमें हमास एवं इज़रायल के बीच संघर्ष तथा अफगानिस्तान के मुद्दे भी शामिल थे। कतर के अमीर की राजकीय यात्रा के दौरान दो समझौतों और 5 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए जिनमें एक- द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझीदारी के स्तर पर उन्नत करने तथा दूसरा- दोहरे कराधान से बचाव संबंधी करार शामिल हैं।

बैठक के बाद विदेश मंत्रालय में सचिव (कांउसलर, पासपोर्ट, वीसा एवं प्रवासी भारतीय मामले) अरुण कुमार चटर्जी ने एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझीदारी में ऊर्जा, व्यापार एवं निवेश तथा सुरक्षा के क्षेत्र शामिल हैं। इसके अलावा दोनों देशों ने बुनियादी ढांचे, बंदरगाह, जहाज निर्माण, फूड पार्क, नवीकरणीय ऊर्जा, रोबोटिक्स एवं आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जतायी है।

उल्लेखनीय है कि कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने आखिरी बार मार्च 2015 को भारत का दौरा किया था। जब प्रधानमंत्री श्री मोदी ने फरवरी 2024 में अपनी दूसरी यात्रा की, तो उन्होंने कतर के अमीर को भारत की राजकीय यात्रा के लिए आमंत्रित किया था। कतर के अमीर के साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है जिसमें प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और व्यापारिक नेता शामिल हैं। कतर के अमीर का भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री श्री मोदी की मौजूदगी में आज सुबह राष्ट्रपति भवन में रस्मी स्वागत किया गया। राष्ट्रपति आज शाम को कतर के अमीर से मिलेंगीं और प्रतिनिधिमंडल के साथ अमीर के सम्मान में एक भोज का आयोजन भी करेंगी। प्रधानमंत्री मोदी और अमीर के बीच हैदराबाद हाउस में हुई द्विपक्षीय बैठक में दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक व्यापार संबंधों, लोगों के बीच गहरे संबंधों और मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को याद किया। श्री चटर्जी ने कहा कि अपने द्विपक्षीय रिश्ते को रणनीतिक साझीदारी के स्तर तक बढ़ाने के लिए, भारत और कतर ने आज इस संबंध में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। व्यापार, निवेश और ऊर्जा आज दोनों नेताओं के बीच चर्चा के प्रमुख विषयों में से थे। आज भारत और कतर के बीच सालाना लगभग 14 अरब डॉलर का व्यापार होता है। दोनों पक्ष अगले 5 वर्षों में इसे दोगुना करने का लक्ष्य तय करने पर सहमत हुए हैं। कतर भारत में निवेश के लिए भी एक महत्वपूर्ण भागीदार है। कतर के संप्रभु धन कोष, कतर निवेश प्राधिकरण का वर्तमान में भारत में लगभग 1.5 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) है। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने आज ऐसे कई क्षेत्रों की पहचान की है जिनमें कतर निवेश प्राधिकरण भारत में निवेश बढ़ा सकता है। प्रधानमंत्री ने इस यात्रा पर व्यापार के लिए शीर्ष कतरी व्यवसाय का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल लाने के लिए कतर के अमीर की सराहना की। इसी के साथ आज भारत और कतर के वाणिज्य और उद्योग मंत्रियों की सह-अध्यक्षता में संयुक्त व्यापार मंच भी आयोजित किया गया, जिसमें दोनों देशों के शीर्ष उद्योगपतियों, कंपनियों और संस्थानों ने बहुत ही उपयोगी बातचीत की।

नागरिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करे जम्मू कश्मीर पुलिस : शाह

नयी दिल्ली 18 फरवरी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद पर काफी हद तक नियंत्रण और सुरक्षा हालातों में सुधार के बाद, अब नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना वहां की पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए।

श्री शाह ने मंगलवार को यहां जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अबदुल्ला के साथ केन्द्र शासित प्रदेश में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक की।

बैठक में चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि तीन नए पीड़ित-केन्द्रित आपराधिक कानूनों के माध्यम से त्वरित न्याय सुनिश्चित करने में तकनीक का अधिकतम उपयोग करना चाहिए। केन्द्रीय गृह मंत्री ने जम्मू और कश्मीर में आगामी अप्रैल तक तीनों कानूनों का पूर्ण कार्यान्वयन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि इसके लिए पुलिसकर्मियों और प्रशासन के दृष्टिकोण में बदलाव लाना और नागरिकों में इनके बारे में जागरूकता पैदा करना बहुत ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद पर नियंत्रण में आई गति और सुरक्षा हालातों में सुधार के बाद, अब वहाँ के नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना जम्मू और कश्मीर पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर में अनुपस्थिति में मुकदमा चलाने के प्रावधान को त्वरित रूप से इस्तेमाल करने की आवश्यकता है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने आरोप पत्र दाखिल करने के काम में तेज़ी लाने के लिए पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने की ज़रूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जांच अधिकारियों का नए कानूनों के प्रावधानों के बारे में शत-प्रतिशत प्रशिक्षण जल्द से जल्द सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद और संगठित अपराध से संबंधित प्रावधानों का पुलिस अधीक्षक के स्तर पर पूर्ण विवेचन के उपरांत ही निर्णय करना चाहिए। इन प्रावधानों का गलत इस्तेमाल न हो, इसके लिए सख्त निगरानी की आवश्यकता है। श्री शाह ने कहा कि जम्मू कश्मीर प्रशासन और सरकार ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद नए कानूनों के कार्यान्वयन की दिशा में संतोषजनक काम किया है। उन्होंने कहा कि तीन नए कानूनों के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के स्तर पर मासिक, पाक्षिक और साप्ताहिक रूप से होनी चाहिए।

लखनपुर में 3 करोड 36 लाख रुपए नकदी के साथ दो कश्मीरी युवक गिरफ्तार

कदुआ 18 फरवरी। कदुआ पुलिस में लगभग 3 करोड 36 लाख रुपए की नकदी एक गाड़ी से बरामद की है जोकी दिल्ली से कश्मीर की ओर जा रही थी और उसमें दो युवक सवार थे जिन्हें हिरासत में ले लिया गया है और पूछताछ जारी है।

जानकारी के अनुसार जम्मू कश्मीर के प्रवेश द्वार लखनपुर में लखनपुर थाना की ओर से लगाए गए नाका चेकिंग के दौरान क्रेटा गाड़ी संख्या एचआर98जे-9889 को जांच के लिए रोका, जाकि दिल्ली से कश्मीर की और जा रही थी। जांच के दौरान चालक सीट के नीचे बनाई गई कैवटी से नकदी के भरा हुआ बैग बरामद हुआ। जिसके बाद पुलिस ने तुरंत नकदी से भरा बैग बरामद कर दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया।

वहीं पत्रकारों को संबोधित करते हुए एसएसपी कदुआ ने बताया कि युवकों से पूछताछ जारी है, दोनों युवक कश्मीर के रहने वाले हैं। जिसमें एक युवक छात्र हैं और दूसरा सुनाहर का काम करता है। एसएसपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हवाला राशि संबंधित कोई भी तार नहीं जुड़ रहे हैं, फिलहाल पूछताछ जारी है। वही प्रदेश सहित केंद्र की विभिन्न एजेंसियां भी इन युवाओं से पूछताछ कर रही हैं।

गौरतलब हो कि अगर बरामद नकदी किसी व्यापार के लेनदेन संबंधित थी तो फिर युवाओं ने कार की ड्राइवर सीट के नीचे कैविटी क्यों बनाई और पैसा क्यों छुपाया जो सबसे बड़ा सवाल है। इन दोनों युवाओं में एक युवा छात्र हैं और दूसरा सुनाहर का काम करता है, शायद कोई सोने की बड़ी खेप प्रदेश के बाहर किसी अन्य राज्य में बेचकर आए होंगे। जिसका पैसा लेकर कश्मीर वापस जा रहे थे। ऐसे कई पहलू एजेंसियां इसके साथ जोड़ रही हैं फिलहाल पैसे की गिनती शाम तक पूरी हो चुकी थी। करीब 3 करोड़ 36 लख रुपए पूरी राशि बरामद की गई है और आगे की जांच जारी है।

मिशन युवा ने 1.1 करोड़ से अधिक लोगों का आधारभूत सर्वेक्षण पूरा किया

मुख्य सचिव ने बेरोजगारी से निपटने के लिए रोडमैप को आकार देने में अभ्यास महत्वपूर्ण बताया

जम्मू 18 फरवरी। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने जम्मू-कश्मीर में संभावित उद्यमियों और मौजूदा उद्यमों के सामने आने वाली चुनौतियों की पहचान करने के लिए मिशन युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत एक महीने के बेसलाइन सर्वेक्षण के संचालन के बाद प्राप्त परिणामों का आकलन करने के लिए सभी हितधारकों की एक बैठक की अध्यक्षता की।

इस वर्ष पहली जनवरी से डिजिटल रूप से किए गए सर्वेक्षण में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में रहने वाली यूटी की पूरी वयस्क आबादी को शामिल किया गया। यह विशाल अभ्यास लगभग 18,000 जांचकर्ताओं और 800 पर्यवेक्षकों की मदद से पूरा किया गया, जिन्होंने यहां संभावित उद्यमियों की पहचान करने के लिए जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों में लगभग 23.64 लाख घरों का दौरा किया।

अटल डुल्लू ने इस सर्वेक्षण के बारे में बात करते हुए कहा कि रिकॉर्ड समय में इतना बड़ा अभ्यास करना सराहनीय है। उन्होंने वहां बेरोजगारी से निपटने के लिए रोडमैप तय करने के लिए इसे महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने संबंधितों को सर्वेक्षण में प्राप्त सुझाव के आधार पर एक व्यापक रिपोर्ट पेश करने के लिए भी प्रभावित किया। उन्होंने डेटा को स्टैक करने की सलाह दी ताकि संबंधित स्टैक का उपयोग विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों द्वारा एक ही विषय वस्तु पर शोध पत्र पूरा करने के लिए किया जा सके।

मुख्य सचिव ने इस अवसर पर डेवलपर्स को स्व-रोज़गार योजनाओं को सामाजिक सुरक्षा और अन्य से अलग वर्गीकृत करने की सलाह भी दी। उन्होंने युवा एप्लिकेशन में योजना सलाहकार का प्रावधान करने पर जोर दिया ताकि संभावित उद्यमियों को उनकी ताकत और रुचि के क्षेत्र के अनुसार मार्गदर्शन किया जा सके।

उन्होंने इस योजना के तहत परिकल्पित संस्थागत संरचना को बढ़ाने के महत्व को दोहराया ताकि आवेदकों को सफल उद्यमियों में बदलने के लिए सहायता प्रदान की जा सके। उन्होंने बैंक अधिकारियों को युवा योजना के तहत पेश किए जाने वाले एक अनुकूलित ऋण उत्पाद बनाने का निर्देश दिया।

इसके अलावा अटल डुल्लू ने उपायुक्तों को अपने जिलों में 'युवा दूत' के रूप में कार्य करने के लिए गुणवत्तापूर्ण जनशक्ति की पहचान करने का भी निर्देश दिया, जो पीई को उनकी पसंद के उद्यमी बनने के लिए रणनीति बनाने के लिए तैयार करेंगे। उन्होंने पूरे जम्मू-कश्मीर में बेरोजगारी से निपटने के लिए एक बेहतर रोडमैप तैयार करने के लिए स्थानीय विश्वविद्यालयों के उपकुलपतियों, जेएंडके बैंक के अध्यक्ष, आईआईएम जम्मू के निदेशक, आईआईटी, सीजीएम नाबार्ड से सुझाव मांगे।

इस बेसलाइन सर्वेक्षण के बारे में बोलते हुए महानिदेशक, ईएंडएस, सतवीर कौर ने प्रत्येक सर्वेक्षण सदस्य से एकत्र किए गए डेटा के बारे में कुछ जानकारी दी। उन्होंने खुलासा किया कि प्रश्नावली में 15 घरेलू संबंधित प्रश्न, 10 व्यक्तिगत विशिष्ट प्रश्न और पीई से पूछे गए 42 प्रश्न शामिल हैं।

इसी तरह उन्होंने बताया कि 37 प्रश्न अपंजीकृत उद्यमों और 88 पंजीकृत उद्यमों से संबंधित थे।

उन्होंने विस्तार से बताया कि इन प्रश्नों का उद्देश्य आयु, रोजगार की स्थिति, क्षेत्र, गतिविधि आदि जैसे जनसांख्यिकीय विवरण प्राप्त करना था। इसमें प्रत्येक व्यक्ति/उद्यम के वित्तीय, बाजार और कौशल विवरण, जैसा भी मामला हो, दर्ज किया गया। अंत में इसने व्यक्तियों और उद्यमों को अपने उद्यम शुरू करने में आने वाली चुनौतियों या अपने व्यवसाय को फलने-फूलने के लिए मौजूदा चुनौतियों का निर्धारण करने में देरी की।

माखन दीन की मौत को कई सप्ताह बीत चुके फिर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई : महबूबा

जम्मू, 18 फरवरी। जम्मू-कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने डीजीपी जम्मू-कश्मीर पुलिस से माखन दीन के परिवार के लिए न्याय सुनिश्चित करने और भविष्य में इस तरह के दुखद मामलों को रोकने का आग्रह किया। एक्स के माध्यम से महबूबा मुफ्ती ने कहा कि माखन दीन की दुखद मौत को कई सप्ताह बीत चुके हैं फिर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि न्यायिक जांच के लिए कोई आदेश नहीं दिया गया है या यहां तक कि शोकाकुल परिवार के लिए किसी भी तरह की सहायता या मुआवजा भी नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि हम डीजीपी से हस्तक्षेप करने और परिवार के लिए न्याय सुनिश्चित करने और भविष्य में इस तरह के दुखद मामलों को रोकने का आग्रह करते हैं।

शोपियां के काशवा चित्रगाम से बरामद आईईडी को बम निरोधक दस्ते ने किया निष्क्रिय

शोपियां, 18 फरवरी। शोपियां जिले के काशवा चित्रगाम गांव से सुरक्षाबलों ने मंगलवार को एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद किया जिसे बम निरोधक दस्ते ने निष्क्रिय किया।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि विस्फोटक को निष्क्रिय करने के लिए बम निरोधक दस्ते (बीडीएस) को तुरंत मौके पर भेजा गया। अधिकारी ने बताया लगभग 6 से 7 किलोग्राम वजनी आईईडी को प्रेशर कुकर के अंदर रखा गया था। बम निरोधक दस्ते ने उसे सुरक्षित तरीके से सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया और एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया।

ऋण घोटाले के सिलसिले में जम्मू-कश्मीर बैंक के पूर्व प्रबंधक समेत पांच गिरफ्तार

जम्मू, 18 फ़रवरी। जम्मू-कश्मीर पुलिस की अपराध शाखा ने यहां कथित करोड़ों रुपये के ऋण घोटाले के सिलसिले में जम्मू-कश्मीर बैं क के पूर्व प्रबंधक समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

यह मामला 2023 में बैंक के जम्मू क्षेत्रीय कार्यालय के पर्यवेक्षण एवं नियंत्रण प्रभाग के मुख्य प्रबंधक मोहम्मद शकील की लिखित शिकायत पर दर्ज किया गया था।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि पुंछ के एकीकृत जलग्रहण प्रबंधन कार्यक्रम (आईडब्ल्यूएमपी) के संविदा कर्मचारी सलीम यूसुफ भट्टी और अन्य ने सुरनकोट में बैंक की लसाना शाखा में जलग्रहण समिति के निष्क्रिय खातों को सक्रिय करवाया।

अपराध शाखा के प्रवक्ता ने बताया कि आरोपियों ने कथित तौर पर खातों का नाम बदलवाया, अलग-अलग गैर-मौजूद कर्मचारियों को फर्जी वेतन प्रमाण पत्र और पुष्टि पत्र जारी किए और खुद को सरकारी कर्मचारी बताकर व्यक्तिगत ऋण, नकद ऋण और कार ऋण प्राप्त करने में कामयाब रहे। उन्होंने कहा कि आरोपियों ने मेंढर और मेंढर बस स्टैंड स्थित बैंक के शाखा कार्यालयों में फर्जी सरकारी खाते खोलने में भी कामयाबी हासिल की। उन्होंने सबसे पहले बैंक के माध्यम से पैसे जमा किए। प्रवक्ता ने बताया कि जांच को आगे बढ़ाते हुए अपराध शाखा ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें जम्मू निवासी बैंक की राजौरी शाखा के तत्कालीन प्रबंधक (स्केल-द्वद्व) जतिंदर सिंह, पुंछ निवासी मोहम्मद कबीर, मोहम्मद जफीर खान और जफर इकबाल तथा राजौरी निवासी मोहम्मद शकील शामिल हैं।

3 ड्रग तस्कर गिरफ्तार हेरोइन बरामद

जम्मू, 18 फरवरी। ऑपरेशन संजीवनी' के तहत ड्रग तस्करी के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कार्रवाई में जम्मू पुलिस ने चक बाना, बिश्नाह में गश्त के दौरान तीन ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया और 15 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ (चिट्टा) बरामद किया।

एसडीपीओ आरएस पुरा की देखरेख और एसपी मुख्यालय के समग्र मार्गदर्शन में एसएचओ सुशील चौधरी के नेतृत्व में पुलिस स्टेशन बिश्नाह की एक पुलिस टीम ने 3 संदिग्धों को रोका जिन्होंने भागने का प्रयास किया लेकिन उन्हें तुरंत पकड़ लिया गया।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान राकेश कुमार चौधरी पुत्र बलदेव राज निवासी बाना चक बिश्नाह, जीत राज पुत्र सोम नाथ निवासी खोड़ दुनियां तहरसपुर पुरा और नवजोत सिंह पुत्र विक्रम सिंह निवासी खोड़ दुनियां तहसील आरएस पुरा के रूप में हुई है। आरोपी व्यक्तियों की गहन तलाशी में 15 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद हुआ।

इस संबंध में पुलिस स्टेशन बिश्नाह में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21/22/29 के तहत एफआईआर संख्या 16/2025 दर्ज की गई है और आगे की जांच जारी है। जम्मू पुलिस नशीली दवाओं के खतरे को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है और नागरिकों से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देकर नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई का समर्थन करने का आग्रह करती है। ऐसे मामलों में महत्वपूर्ण सुराग प्रदान करने वाले मुखबिरों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

लगातार मजबूत होती रहेगी भारत की लोकतांत्रिक विरासतः राजीव कुमार

नई दिल्ली, 17 फरवरी। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार आज अपने पद से सेवानिवृत्त हो गए। वे 01 सितंबर 2020 को चुनाव आयुक्त बने थे और 15 मई, 2022 को देश के 25वें मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में पदभार ग्रहण किया था।

दिल्ली के पटेल चौक स्थित चुनाव आयोग कार्यालय से निकलते समय पत्रकारों से बातचीत में राजीव कुमार ने कहा कि यह इमारत लोकतंत्र के लिए पूजा का स्थान है। इसने पिछले 75 वर्षों में महान प्रयास के साथ एक मजबूत विरासत का निर्माण किया है। उन्हें विश्वास है कि भविष्य में यह विरासत और अधिक स्मृद्ध होगी।

चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉ. सुखबीर सिंह संधू राजीव कुमार को विदा करने बिल्डिंग के बाहर तक आए। ज्ञानेश कुमार अब अगले मुख्य चुनाव आयुक्त होंगे।

उल्लेखनीय है कि राजीव कुमार के कार्यकाल में कई चुनावी सुधार किए गए। इनमें 17 से अधिक आयु के युवाओं के लिए उन्नत आवेदन सुविधा के साथ मतदाता पंजीकरण के लिए चार अर्हता तिथियों को क्रियान्वित करना भी शामिल रहा। मतदाता पंजीकरण के लिए सरलीकृत फॉर्म; असम में परिसीमन के साथ चुनावी सीमाओं को फिर से परिभाषित करना; मतदाता सुविधा केंद्र पर मतदान कर्मियों द्वारा मतदान सुनिश्चित करना ताकि किसी भी तरह की धमकी, देरी और गलत कामों से बचा जा सके। इन पहलों का उद्देश्य चुनाव प्रशासन को आधुनिक बनाते हुए प्रत्येक पात्र नागरिक को सशक्त बनाना था।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का भी उल्लंघन कर रहा केंद्र : कर्रा

डोडा 18 फरवरी। जेकेपीसीसी प्रमुख श्री तारिक हमीद कर्रा ने मंगलवार को केंद्र पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा जल्द बहाल करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का भी उल्लंघन कर रही है। और यदि मांग जल्द नहीं मानी गई तो कांग्रेस सड़कों पर उतरने से नहीं हिचकेगी।मंगलवार को डोडा डाक बंगले में कार्यकर्ताओं की एक प्रभावशाली रैली को संबोधित करते हुए श्री कर्रा ने कहा कि केंद्र ने पांच साल पहले संसद के अलावा सुप्रीम कोर्ट के समक्ष भी राज्य का दर्जा देने का वादा किया था लेकिन न तो बहुत जल्द को लोग समझ रहे हैं और न ही केंद्र और भाजपा नेताओं द्वारा बार.बार उद्धृत किया जाने वाला उचित समय लोगों को समझ में आ रहा है क्योंकि राज्य का दर्जा अभी तक बहाल नहीं हुआ है।यह भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा लोगों के साथ-साथ लोकतंत्र और संविधान के साथ क्रूर मजाक है। निर्वाचित सरकार के चार

महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी आवश्यक शक्तियां और वादा किया गया राज्य का दर्जा बहाल नहीं किया जा रहा है। उत्साही लोगों ने जब जोरदार नारे लगाए, हमारी रियासत हमारा हक और कर्रा साहब आगे बढ़ो, हम तुम्हारे साथ हैं तो उन्होंने राज्य आंदोलन को पूरा समर्थन देते हुए कहा कि अगर जल्द ही मांग पूरी नहीं हुई तो कांग्रेस सड़कों पर उतरकर जोरदार आंदोलन करने से नहीं हिचकेगीकेंद्र सरकार दिन.रात सामान्य स्थिति का दावा करती है लेकिन यह नहीं बताना चाहती कि राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए उचित समय और समय.सीमा क्या है क्योंकि भाजपा शासन करने का जनादेश खोने के बाद भी एलजी के माध्यम से प्रॉक्सी शासन करना चाहती है। कर्रा ने कहा कि कांग्रेस ने एनसी के साथ गठबंधन करके भाजपा को बाहर रखने का बड़ा लक्ष्य हासिल कर लिया जिसमें कई वरिष्ठ नेताओं को गठबंधन सहयोगी की तरह अपनी सीटों का त्याग करना पड़ा। उन्होंने दिल्ली चुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि जहां किसी पार्टी ने कांग्रेस के बजाय अकेले चुनाव लड़ने की एकतरफा घोषणा की थी।

कर्रा ने कांग्रेस के आंदोलन पर प्रतिबंध लगाए जाने का मुद्दा भी उठाया क्योंकि केंद्र और एलजी प्रशासन हमारे मिशन को मिल रहे भारी समर्थन से घबरा गए हैं लेकिन कांग्रेस शांतिप्रिय है और लोकतंत्र में विश्वास करती है।

दुल्हन बनने जा रही हैं तो शादी के लिए खरीदें इस तरह के डिजाइनर लहंगे

हर लड़की अपनी शादी के बड़े-बड़े सपने संजोती है कि वह सबसे फैसनेबल और स्टाइलिश दिखे।पर आजकल बाजार में हर चीज के दाम इतने ज्यादा बढ़ गए है कि हर किसी के लिए शादी के सामान की अच्छी चीज को खरीदना मुश्किल हो गया है। ऐसे में अगर कपड़ो की बात की जाए तो कपडो पर की गई कढाई कपड़ो को दाम बढा देती है। इसलिए आज हम आपको बताएंगे कि आप आपने हर फंक्शन के लिए किस तरह की पोशाक को कम दाम में खरीदे।

1. म्यूजिकल नाइट के लिए लहंगा

अगर आप अपनी म्यूजिकल नाइट में सबसे खूह सूरत दिखना चाहती है तो सुनहरे व नीले रंग का सुंदर लहंगा ही पहने। नीले रंग के इस डिजाइनर लहंगे पर तीनों रंगों का बहुत ही खूबसूरती से इस्तेमाल किया गया है। इस पर लगाया गया गुलाबी व सुनहरे रंग का फीता और चोली पर सुनहरे रंग का साथ की गई कढ़ाई व नटे का दुपट्टा किसी भी रंग की लड़की को सुंदर बना सकते हैं। 2.

कॉकटेल पार्टी के लिए लहंगा

कॉकटेल पार्टी में तैयार होने के लिए आप नीला व सफेद लहंगा पहने। ऐसे लहंगे पर उम्र व फिगर वाली लड़की पर अच्छा लगता है। लहंगे व चोली पर बनाया गया फूलों का जटिल डिजाइन बहुत साफ होने के कारण आपको शाही रूप प्रदान करता हैं।

3. शादी वाले दिन लहंगा

शादी वाले दिन आप पारंपरिक लहंगे के हिसाब से लाल कुर्ती के साथ बेज रंग का लहंगा पहने। लाल रंग की कुर्ती पर की गई सुनहरे रंगी की कढाई रंगों के मिलाप को दिखाती है। इसलिए कुर्ती के साथ पहने गए बेज रंग के लहंगे पर सुनहरे रंगा का गोटा लगा हुआ लहंगा ही पहने।

4. रिसेप्शन के लिए लहंगा

अगर आप अपने रिसेप्शन पर धातुए रंग की कुर्ती के साथ काले रंग का लहंगा पहनेगे तो बहुत ही अच्छे लगेंगे। ऐसे लहंगे में आपकी तस्वीरें बहुत ही सुंदर आएगी। ऐसे फोटोजेनिक काम के लिए लहंगा एकदम सही है। ब्लाउज का हाई नेक व चोली के सामने लगाए गए बटन आपको एक इंडो-वेस्टरन लूक देगा और आप स्टाइलिश दिखेगी। इसके साथ दुपट्टा नहीं होता है।

बजट मे रहकर खरीदें ये स्टाइलिश बैल्ट

बैल्टस को हर लड़का अपनी पैंट के साथ तथा महिलाएं अपनी स्कर्ट के साथ पहनती हैं। यह देखने में बहुत छोटी होती हैं, पर कुछ बैल्ट का दाम किसी पोशाक के मुकाबले कम नही होता। आजकल बाजार में बहुत सी स्टाइलिश बैल्ट देखने को मिलती है। इनमें से कुछ बैल्ट कपड़े की बनी होती है और कुछ चमड़े की। आज हम आपको कम बजट वाली स्टाइलिश बैल्ट के बारे में बताएगें।

1. चमडे की बैल्ट

अगर आप फॉर्मल लुक पाना चाहते हैं तो काले या भूरे रंग में चमडे की बैल्ट पहने। चमड़े की बैल्ट को बहुत ही संभाल कर रखना पड़ता है। आप इसे फॉर्मल पैंट या जीन्स के साथ पहन सकते है।

2. ब्रांडेड बैल्ट

यदि आप किसी को अपनी तरफ आकर्षित करना चाहते हैं तो ब्रांडेड बैल्ट जरूर पहने। आप इसे किसी भी सिंपल पैंट, पतलून के साथ पहन सकते है। 3. नियॉन बैल्ट

नियॉन बैल्ट रंग-बिरंगी होती है। इसे ज्यादातक स्टाइलिश लूक और फैशन स्टेटमेंट बनाने के लिए पहना जाता है। इन बैल्टस को पुरुषों व महिलाएं दोनों ही पहन सकती है।

4. टेक्स्चर्ड बैल्ट

आजकल बाजार में चमड़े और कपडे दोनों तरह की टेक्स्चर्ड बैल्ट आती है। पर इनमें से कपड़े की बैल्ट ज्यादा अच्छी होती है। इस बैल्ट की खासियत है कि इसकी पकड़ काफी आरामदायक होती है।

5. ट्रैवल बैल्ट

अगर आप ज्यादातर टुर पर जाते हैं तो आपको ट्रैवल बेल्ट पहन कर जाता चाहिए। ट्रैवल बेल्ट में 3-4 पाकिट होती हैं, जिसमें आप अपने पैसे, कार्ड, जरूरी दस्तावेज आदि संभाल सकते है। इसलिए ट्रेकिंग या छुट्टियों पर जाते समय इसे जरूर पहने।

रस्म के हिसाब से दुल्हन चुने कुछ इस तरह के बैग

शादी के बाद नई नवेली दुल्हन सभी के आकर्षण का केंद्र होती है। कपडों, गहनों से लेकर पर्स तक सभी चीजें उसकी खूबसूरती में चार-चांद लगा देते है। ऐसे में अगर पर्स डिजाइनर हो और अपनी साडी या लहंगेसे मैच करता हो तो बात ही क्या। दुल्हन को चाहिए की वह रस्मों के हिसाब से ही अपनी ड्रेस का चुनाव करे और ड्रेस के साथ मैच करता डिजाइनर पर्स लें। जो आपको खूबसूरत दिखने के साथ-साथ ग्लैमरस लुक भी दे।

1. सगाई की रस्म के समय क्रच बैग

अगर आप अपनी सगाई की रस्म में भारी साडी या लहंगा पहनने की सोच रहे है तो इसके साथ मैच करता हुआ बैग ही चुनें। सगाई की रस्म के समय आपको कव्च बैग को हाथ में पकड़ना बहुत ही आसान होगा। इसे आप कलाई पर लटका सकते है या फिर हाथ में पकड़ सकते है। 2. कॉकटेल पार्टी के लिए इंडो-वेस्टर्न लुक का बैग

अगर आप अपनी कॉकटेल पार्टी में ग्लैमरस दिखना चाहती है तो लिपटी शिफॉन की ब्लैक या लाल रंग की डिजाइनर चोली वाली साडी के साथ इंडो-वेस्टर्न लुक का बैग लें। यह आप पर बहुत ही अच्छा लगेगा।

3. शादी वाले दिन के लिए बटुआ या फिर पोटालीनुमा पर्स

आप अपनी शादी के दिन लहंगे के साथ बटुआ या फिर पोटालीनुमा पर्स का इस्तेमाल कर सकती है। इसे पकडना आपको बहुत ही आसान होगा और आप लहंगे के साथ टक कर सकती है।

4. रिसेप्शन पार्टी की शाम के लिए बैग

रिसेप्शन पार्टी के लिए आप जरदोजी या बीड्स लिए टोट बैग ही लें। इसे लेने से आप पार्टी में थोडे गलैमरस लगेगे। इस तरह के बैगस को आप साड़ी के साथ भी ले सकते है।

खूबसूरत और फ्रेश त्वचा पाने के लिए चेहरे पर लगाएं आइस क्यूब्स

आज कल हर लड़की चाहती है कि उसकी त्वचा खूबसूरत, चमकीली और मुलायम बनी रहे। ऐसे में वह अपनी त्वचा को और खूबसूरत बनाने के लिए वह तरह-तरह के प्रोडक्ट मार्किट

से ला कर इस्तेमाल करती है। पर आज हम आपको बताएगें कि आप घर पर ही आइस क्यूब्स से आप अपनी त्वचा को फ्रेश और ब्यूटीफुल बना सकती है। जाने कैसे...

1. चमकीली और स्वस्थ त्वचा

हर लड़की जवां और खूबसूरत दिखना चाहती है। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि अगर आप सुंदर, चमकीली और स्वस्थ त्वचा पाना चाहती है तो आइस क्यूब्स को हर रोज चाहरे पर लगाएं ।

2. आंखों की थकान मिटाने के लिए

आजकल काम का बोझ इतना ज्यादा बढ़ गया है कि काम करने के दौरान हमारी आंखे थक जाती है और समय से पहले ही आंखो पर झुर्रियां पड़ जाती है। ऐसे में आंखों की थकान और झुर्रियों की समस्या को दूर तरने के लिए कॉटन के कपडे में बर्फ के कुछ टुकडे लेकर आंखों के आसपास धीरे-धीरे से घुमाएं।

3. मेकअप करने से पहले

मेकअप को ज्यादा समय तक टिकाए रखने के लिए मेकअप करने से पहले बर्फ के कुछ टुकडें लेकर कपड़े में बांधकर चेहरे पर लगाएं। ऐसा करने से आपको फ्रेशनेस का एहसास होगा।

4. स्किन टैन या त्वचा में जलन

आगर आपकी स्किन तेज धूप के कारण टैन हो गई हो या फिर जल गई हो तो ऐसे में जलन वाली जगह पर बर्फ लगाएं। बर्फ लगाने से आपको कूलिंग का एहसास होगा और टैनिंग से भी मुक्ति मिलेगी।

5. आईब्रोज करवाने के बाद होने वाली जलन

अक्सर देखा जाता है कि लड़कियां जब भी आईब्रो करवाती है तो बाद में उनहें जलन या रेडनेस होने लगती है। ऐसे में जलन और रेडनेस को कम करने के लिए आंखों के आसपास आइस क्यूब्स घुमाएं।

ट्रेगिंग्स को ट्राई करने के बाद में आप लेगिंग-जेगिंग पहनना भूल जाएगे

आजकल फैसन में ट्रेगिंग्स को बहुत ही पंसद किया जा रहा है। इसे लडकियां फॉर्मल अकेजन में पहनती है। लेगिंग्स के इस बदले ट्राउजर को आप किसी भी इवनिंग आउटिंग, फॉर्मल ब्रंच या रिलेक्स टाइम में पहन सकती हैं। बाजार में इसके बहुत से रंग मिलते है। तो आइए जानते है इन ट्रेगिंग्स के बारे में।

1. ट्राउज़र और लेगिंग से बना ट्रेगिंग्स

ट्राउज़र और लेगिंग से बनाया गया ट्रेगिंग्स उन लोगों के लिए एक परफेक्ट ऑप्शन है, जो फैशनेबल लुक वाला आरामदायक लोअर्स पहनना पसंद करते हैं। इसे पहनकर आपको चलने-फिरने में कोई असहजता महसूस नहीं होती ।

2. ट्रेगिंग्स जेगिंग

आजकल मार्केट में ट्रेगिंग्स जेगिंग बहुत ही किफायती दामों पर मिल जाती है। ट्रेगिंग्स को आप शॉर्ट कुर्ती और स्टोल के साथ पहन सकतीं हैं। इतना ही नहीं इन्हें आप किसी भी अवसर पर पहन सकती हैं। 3. ट्रेगिंग्स को लंबे टॉप्स के साथ पहने अगर आप अपने थाइज़ को लेकर थो़डा असहज महसूस करती हैं, तो आप ट्रेगिंग्स को लंबे टॉप्स के साथ पहने ट्रेगिंग्स की फिटेड लुक को बरकरार रखने के लिए, अपने आउटफिट में थो़डी फ्लूइडटी दें या फिर इसके साथ फ्लोई टॉप्स और जैकेट पहनें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर में राज्य का दर्जा देने के लिए आंदोलन किया तेज

जम्मू, 18 फ़रवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस के नेतृत्व में राज्य का दर्जा देने के लिए आंदोलन जोर पकड़ रहा है। ऐसे में जेकेपीसीसी प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने केंद्र पर तीखा हमला किया है। उन्होंने केंद्र पर आरोप लगाया है कि वह सुप्रीम कोर्ट और संसद में दिए गए आश्वासनों के बावजूद राज्य का दर्जा बहाल करने में जानबूझकर देरी कर रही है। डोडा डाक बंगले में कार्यकर्ताओं की एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए कर्रा ने घोषणा की कि अगर मांग जल्द पूरी नहीं हुई तो कांग्रेस विरोध में सड़कों पर उतरने से नहीं हिचकिचाएगी। कर्रा ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट और संसद से की गई प्रतिबद्धता एक खोखले वादे में बदल गई है जिससे जम्मू-कश्मीर के लोग अनिश्चितता में हैं। उन्होंने लगातार हो रही देरी को लोकतंत्र और संविधान के साथ क्रूर मजाक बताया और इस बात पर जोर दिया कि निर्वाचित सरकार के चार महीने बाद भी वादा किया गया राज्य का दर्जा और जरूरी शक्तियां बहाल नहीं की गई हैं। रैली में पार्टी कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और हमारी रियासत हमारा हक और कर्रा साहब आगे बढ़ो, हम तुम्हारे साथ हैं जैसे नारे लगाए और आंदोलन को अपना पूरा समर्थन दिया। कार्यकर्ताओं की ऊर्जा का जवाब देते हुए कर्रा ने आश्वासन दिया कि अगर केंद्र सरकार कार्रवाई करने में विफल रहती है तो कांग्रेस पूरे क्षेत्र में लोगों को लामबंद करते हुए एक मजबूत आंदोलन शुरू करेगी। भाजपा पर जनादेश खोने के बाद भी उपराज्यपाल के माध्यम से जम्मू-कश्मीर पर शासन करने की इच्छा रखने का आरोप लगाते हुए कर्रा ने राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए उचित समय को परिभाषित करने में केंद्र की अनिच्छा पर सवाल उठाया।

पीर पंजाल क्रिकेट टूर्नामेंट का रोमांचक ग्रैंड फिनाले के साथ हुआ समापन

पुंछ, 18 फरवरी, हि स। पीर पंजाल क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन रोमांचक रहा जिसमें टीम स्टार क्लब सुरनकोट ने टीम पुंछ 11 के खिलाफ रोमांचक ग्रैंड फिनाले में जीत हासिल की। 9 फरवरी को शुरू हुए इस टूर्नामेंट में 40 टीमों ने अटूट जुनून और दृढ़ संकल्प के साथ प्रतिस्पर्धा की।

ग्रैंड फिनाले दोनों टीमों द्वारा प्रदर्शित असाधारण कौशल, दृढ़ संकल्प और खेल भावना का प्रमाण था। भीड़ उत्साहित थी, जोश से जयकार कर रही थी और माहौल को और भी रोमांचक बना रही थी। टीम पुंछ 11 ने बहादुरी से मुकाबला किया लेकिन टीम स्टार क्लब सुरनकोट ने अपना धैर्य बनाए रखा और शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया।टूर्नामेंट का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ जहां चैंपियन टीम, उपविजेता, मैन ऑफ द मैच, मैन ऑफ द टूर्नामेंट और उत्कृष्ट खिलाड़ियों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

पीर पंजाल विंटर फेस्टिवल में क्रिकेट टूर्नामेंट के साथ.साथ युवाओं और भारतीय सेना के बीच एक अद्भुत तालमेल देखने को मिला जिसमें जुनून,अनुशासन और खेल भावना को एक ही मंच पर दिखाया गया।

पीएम-एमकेएसएसवाई योजना के तहत जागरूकता शिविर का आयोजन

पुंछ, 18 फरवरी (हि.स.)। मत्स्य विभाग पुंछ द्वारा प्रधानमंत्री-मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना (पीएम-एमकेएसएसवाई) के तहत पहलों को बढ़ावा देने के लिए मंगलवार को क्षेत्रीय जिला कार्यालयों में आवेदन जुटाने के अभियान पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

भारत सरकार द्वारा 2023-24 में शुरू की गई केंद्रीय क्षेत्र की योजना 2026-27 तक जारी रहेगी। इस योजना का उद्देश्य एनएफडीपी पोर्टल पर मछुआरों, मछली किसानों, मछली विक्रेताओं का मौके पर ही पंजीकरण, जलीय कृषि बीमा के लिए आवेदन जमा करना, एनएफडीपी के माध्यम से ऋण अनुरोध जमा करना, मूल्य श्रृंखला दक्षता बढ़ाने के लिए प्रदर्शन अनुदान प्राप्त करना, मछली और मछली उत्पाद सुरक्षा और गुणवत्ता आश्वासन प्रणालियों को अपनाने और विस्तार के लिए प्रोत्साहन प्राप्त करना है।

शिविर में मछली पालकों, मछुआरों, विक्रेताओं और मत्स्य सहकारी समिति पुंछ सहित बड़ी संख्या में मछुआरों ने भाग लिया और एनएफडीपी के तहत पंजीकरण का लाभ उठाया और जलीय कृषि बीमा और अन्य मूल्य श्रृंखला परियोजनाओं में गहरी रुचि दिखाई। मछुआरों को संबोधित करते हुए मत्स्य विकास अधिकारी भारत भूषण ने योजना का अवलोकन साझा किया जिसमें एनएफडीपी पोर्टल पर पंजीकरण, जलीय कृषि बीमा के लिए आवेदन जमा करना, मूल्य श्रृंखला और योजना के अन्य घटकों के लिए प्रदर्शन अनुदान प्राप्त करना जैसी प्रमुख पहलों पर प्रकाश डाला और योजना का लाभ उठाने का आग्रह किया।इसके अलावा अधिकारी ने मछुआरों का ऑनस्पॉट पंजीकरण करने के लिए सीएससी ऑपरेटर को धन्यवाद दिया। शिविर में इंस्पेक्टर मत्स्य पालन पुंछ ने भी भाग लिया जिन्होंने योजना और अन्य चल रही केंद्रीय और केंद्र शासित प्रदेशों की योजनाओं पर अपने बहुमूल्य विचार साझा किए।

बनतालाब शिव मंदिर में गणेश, अंबिका और नंदिश्वर की भव्य प्राण प्रतिष्ठा

जम्मू, 18 फ़रवरी (हि.स.)। बावा कैलख देव मंदिर परिसर, ठठर बनतालाब स्थित शिव मंदिर में मंगलवार को धार्मिक अनुष्ठान के साथ भगवान गणेश, देवी अंबिका और नंदिश्वर की मूर्तियों की स्थापना की गई। सनातन विधि-विधान के अनुसार प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कर मूर्तियों को मंदिर में स्थापित किया गया।

गौ-संरक्षण को लेकर मूवमेंट कल्कि का प्रदर्शन 121वें दिन भी जारी

जम्मू, 18 फ़रवरी (हि.स.)। गौ माता को 'राष्ट्र माता' का दर्जा दिलाने और गौ-संरक्षण के लिए मूवमेंट कल्कि का आंदोलन 121वें दिन भी अम्फाला चौक, जम्मू में जारी रहा। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के नवनियुक्त अध्यक्ष राजेश गुप्ता को ज्ञापन सौंपा गया जिसमें गौ-हत्या पर सख्त कानून बनाने, देशभर में गौशालाओं की स्थापना करने और सनातन धर्म की रक्षा के लिए 'सनातन बोर्ड' गठित करने जैसी माँगें रखी गईं।

एजेबीआरसीईएके प्रतिनिधिमंडल ने सांसद सांसद खटाना से मुलाकात की

जम्मू, 18 फ़रवरी (हि.स.)। ऑल जम्मू बेस्ड रिजर्व कैटेगरी एम्प्लाइज एसोसिएशन कश्मीर (एजेबीआरसीईएके) के प्रतिनिधिमंडल ने अपने अध्यक्ष अनिल राधा के नेतृत्व में राज्यसभा सांसद गुलाम अली खटाना से मुलाकात की और अपनी लंबित मांगों को प्रस्तुत किया। उठाया गया मुख्य मुद्दा एक व्यापक स्थानांतरण नीति की शीघ्र अधिसूचना था जिसके लिए एक सशक्त समिति पहले ही गठित की जा चुकी है। एजेबीआरसीईएके के कैशियर दीपक कैथ ने विभिन्न विभागों में लंबित अवकाश निपटान मुद्दों की ओर ध्यान आकर्षित किया और तत्काल समाधान का आग्रह किया। इसके अतिरिक्त जिला कुलगाम के वरिष्ठ कर्मचारी मोहन लाल ने अन्य सदस्यों के साथ जिला स्तर पर जम्मू स्थित आरक्षित श्रेणी के कर्मचारियों के लिए सुरक्षित आवास की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कश्मीर घाटी के भीतर सुरक्षित क्षेत्रों या जिला मुख्यालयों में उनके समायोजन की भी मांग की।

विधायक ने भक्ति गीत तेरा दरबार भोलेनाथ जारी किया

जम्मू, 18 फ़रवरी (हि.स.)। वरिष्ठ भाजपा नेता और जम्मू पश्चिम के

विधायक अरविंद गुप्ता ने मंगलवार को निर्भय भारत फाउंडेशन (एनबीएफ) द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में भक्ति वीडियो गीत तेरा दरबार भोलेनाथ जारी किया। भरत राज शर्मा द्वारा सुमधुर ढंग से गाया गया यह भजन भगवान शिव को श्रद्धांजलि देता है। इस लॉन्च कार्यक्रम में तरुण उप्पल (अध्यक्ष, एनबीएफ), माणिक उप्पल (अध्यक्ष, एसडब्ल्यूएच), तरसेम शर्मा, दिव्यांश बाबा और दानिश शर्मा सहित कई प्रमुख हस्तियां मौजूद थीं।इस अवसर पर बोलते हुए विधायक अरविंद गुप्ता ने कलाकारों और प्रोडक्शन टीम के प्रयासों की सराहना की और उन्हें अपना अच्छा काम जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भक्ति संगीत में व्यक्तियों को उनकी आस्था और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने की एक अनूठी शक्ति है।

गुज्जर युवक मक्खन दीन मामले में सीबीआई जांच की मांग, प्रदर्शन

जम्मू, 18 फ़रवरी (हि.स.)। नागरिक समाज के सदस्यों ने 26 वर्षीय गुज्जर युवक मक्खन दीन की दुखद मौत की कड़ी निंदा की है और आरोप लगाया है कि उसके निधन के हफ्तों बाद भी प्रशासन निष्क्रिय है। उनके अनुसार व्यापक सार्वजनिक आक्रोश के बावजूद न तो न्यायिक जांच की गई और न ही शोक संतप्त परिवार को मुआवजा दिया गया जिससे न्याय और जवाबदेही पर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं।

न्याय की बढ़ती मांग के बीच मक्खन दीन के मामले की सीबीआई जांच की मांग करते हुए बठिंडी के मक्का धरना में मोमबत्ती जलाकर विरोध प्रदर्शन और धरना प्रदर्शन किया गया। जिसमे एडवोकेट शेख शकील, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और डीडीसी सुचेतगढ़ तरनजीत सिंह टोनी, मोहम्मद अनवर चौधरी, एडवोकेट सुप्रिया सिंह चौहान, उज्मा अब्बास, नरेश शर्मा, नरिंदर शर्मा, ताहिर, बलविंदर सिंह रिंकू और शमशेर चंद (गुरु रविदास समाज के अध्यक्ष), पंच, सरपंच, वार्ड अध्यक्ष और भटिंडी, सुंजवान, चट्ठा और बाग-ए-बाहु के निवासी सहित प्रमुख नागरिक समाज के सदस्यों ने भाग लिया।

मीडिया को संबोधित करते हुए एडवोकेट शेख शकील ने इस बात पर जोर दिया कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने न्याय और कानून के शासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का बार-बार आश्वासन दिया है फिर भी ये वादे अधूरे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि व्यवस्थागत विफलताओं के कारण निर्दोष लोगों की जान नहीं जानी चाहिए।

उन्होंने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल सुधारात्मक उपायों की मांग की। वरिष्ठ कांग्रेस नेता तरनजीत सिंह टोनी ने उपराज्यपाल से सीबीआई जांच की जोरदार अपील करते हुए कहा कि निष्पक्ष और पारदर्शी जांच से ही न्याय सुनिश्चित हो सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री से मामले को प्राथमिकता देने और बिना देरी किए न्याय सुनिश्चित करने का आग्रह करते हुए हस्तक्षेप की भी मांग की।टोनी ने इस बात पर जोर दिया कि जम्मू-कश्मीर का हर नागरिक चाहे उसकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो न्याय का हकदार है। उन्होंने शिकायतों के समाधान में किसी भी तरह के भेदभाव या प्रशासनिक देरी की निंदा की। उन्होंने एलजी मनोज सिन्हा से माखन दीन के परिवार को पर्याप्त मुआवजा देने और परिजनों को सरकारी नौकरी सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया।

महिला सशक्तिकरण पर जोर-सिलाई और टेलरिंग कोर्स का आगाज

जम्मू, 18 फ़रवरी (हि.स.)। ऑपरेशन सद्भावना के तहत भारतीय सेना ने पुंछ के मरहा में सिलाई मशीनों के वितरण के साथ-साथ सिलाई और टेलरिंग कोर्स शुरू किया है जिसका उद्देश्य स्थानीय महिलाओं को व्यावसायिक कौशल और आर्थिक अवसरों से सशक्त बनाना है। 17 फरवरी से 18 मार्च तक चलने वाला यह कोर्स आत्मनिर्भरता और कौशल विकास को बढ़ावा देकर क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को बढ़ाने के लिए बनाया गया है।

मरहा और आस-पास के इलाकों की कुल 18 उत्साही महिलाओं ने इस परिवर्तनकारी पहल में नामांकन कराया है जहाँ उन्हें एक विशेषज्ञ प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह कोर्स सिलाई और टेलरिंग तकनीकों पर केंद्रित है जिसमें प्रतिभागियों को ऐसे कौशल से लैस किया जाता है जो उन्हें आजीविका कमाने और अपने परिवार का भरण-पोषण करने में मदद करेंगे। समापन के दिन सभी प्रतिभागियों को मान्यता और प्रोत्साहन के प्रतीक के रूप में प्रमाण पत्र और सिलाई मशीनें दी जाएँगी। इस पहल की आवाम द्वारा बहुत सराहना की गई है क्योंकि यह दूरदराज के क्षेत्रों में महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान करती है।

शराबबंदी और राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर प्रदर्शन

जम्मू, 18 फ़रवरी (हि.स.)। सैकड़ों व्यापारियों और स्थानीय निवासियों ने जानीपुर हाई कोर्ट रोड पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया जिसमें जम्मू और कश्मीर में शराब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की गई, खासकर जम्मू और कटरा में - जो शहर अपने मंदिरों के लिए पूजनीय हैं। प्रदर्शनकारियों ने आगामी विधानसभा सत्र में पूरे क्षेत्र में शराब और शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक विधेयक पेश करने और पारित करने के लिए तत्काल सरकारी कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन का नेतृत्व मिशन स्टेटहुड के अध्यक्ष सुनील डिम्पल ने किया।

प्रदर्शनकारियों ने गृह मंत्री अमित शाह, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से दिल्ली में महत्वपूर्ण आपराधिक कानून बैठक के दौरान इस मांग को संबोधित करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शराब की दुकानों की बढ़ती मौजूदगी और बाहरी शराब माफियाओं के बढ़ते प्रभाव ने जम्मू और कश्मीर के सामाजिक ताने-बाने को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है।

जेयू ने लिंग संवेदनशीलता कार्यशाला आयोजित

जम्मू 18 फरवरी (हि.स.)। जम्मू विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र ने जम्मू विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के पीजी छात्रों के लिए लिंग संवेदनशीलता कार्यशाला आयोजित की।

महिला अध्ययन केंद्र की निदेशक प्रो. सविता नैयर संसाधन व्यक्ति थीं। उन्होंने विभिन्न लिंग भूमिकाओं और सामाजिक अपेक्षाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए सत्र की शुरुआत की। इसके अलावा उन्होंने लिंग से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और समाज में महिलाओं की दोयम दर्जे की स्थिति के बारे में बताया जो पितृसत्तात्मक मानसिकता के कारण है और जिसे बदलने की आवश्यकता है।

युवा शक्तिकरण की दिशा में कदम- डोडा में एक महीने का वेल्डिंग कोर्स पूरा

जम्मू, 18 फ़रवरी (हि.स.)। स्थानीय समुदायों के उत्थान और रोजगार सृजन के अपने निरंतर प्रयासों के तहत भारतीय सेना ने ऑपरेशन सद्भावना परियोजना के तहत मलिकपुरा, जिला डोडा में एक महीने का वेल्डिंग कोर्स सफलतापूर्वक आयोजित किया। 18 जनवरी से 17 फरवरी तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में दूरदराज के क्षेत्रों के 20 उम्मीदवारों को कौशल विकास के अवसर प्रदान किए गए। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा संचालित इस कोर्स को प्रतिभागियों को उनकी रोजगार क्षमता और आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए आवश्यक तकनीकी कौशल और ज्ञान से लैस करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। इस पहल का उद्देश्य स्वरोजगार और आर्थिक उत्थान के अवसर पैदा करके स्थानीय युवाओं को सशक्त बनाना था। समापन समारोह के दौरान प्रशिक्षित उम्मीदवारों ने इस जीवन-परिवर्तनकारी अवसर के लिए भारतीय सेना के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने स्वीकार किया कि अर्जित कौशल उनकी आजीविका को सुरक्षित करेगा और क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि में योगदान देगा। भारतीय सेना ने सामुदायिक विकास और कौशल संवर्धन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की तथा इस बात पर बल दिया कि इस तरह की पहल से बेरोजगार युवाओं पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा तथा क्षेत्र में उद्यमशीलता और आत्मनिर्भरता की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।

आरआईएमसी और सैनिक स्कूलों पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित

जम्मू, 18 फ़रवरी (हि.स.)। आवाम पहल के तहत स्थानीय आबादी के साथ संबंधों को मजबूत करने के अपने निरंतर प्रयासों में भारतीय सेना ने पुंछ के पीर टोपा गांव में राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज (आरआईएमसी) और सैनिक स्कूलों में शामिल होने पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को साक्षरता के महत्व, सरकारी शैक्षिक पहल और सशस्त्र बलों में कैरियर के अवसरों के बारे में शिक्षित करना था।

सत्र के दौरान भारतीय सेना के एक प्रतिनिधि ने स्थानीय युवाओं में अपार प्रतिभा को उजागर किया। इस बात जोर दिया गया कि कई छात्र उचित मार्गदर्शन की कमी के कारण अपनी क्षमता का एहसास करने में विफल रहते हैं। व्याख्यान ने आरआईएमसी, सैनिक स्कूलों और प्री-कमीशनिंग प्रशिक्षण अकादमियों जैसे शैक्षिक मार्गों के बारे में जानकारी प्रदान की, जिससे छात्रों को सशस्त्र बलों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

सत्र में सशस्त्र बलों में शामिल होने के इच्छुक छात्रों के लिए उपलब्ध मार्गदर्शन, कोचिंग और सहायता को भी शामिल किया गया। इस कार्यक्रम में 95 लोगों ने उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया दी जिसमें 47 बच्चे, 33 पुरुष और 15 महिलाएँ शामिल थीं। स्थानीय लोगों ने सूचना के अंतर को पाटने और दूरदराज के क्षेत्रों के छात्रों को आशाजनक कैरियर के अवसरों की ओर मार्गदर्शन करने में सेना की पहल की सराहना की।

डीसी द्वारा आरडीएसएस के तहत बिजली के बुनियादी ढांचे की प्रगति की समीक्षा

पुंछ, 18 फरवरी (हि.स.)। पुंछ के डिप्टी कमिश्नर विकास कुंडल ने मंगलवार को जिले में बिजली के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के उद्देश्य से पुनर्विकसित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान डीसी ने आरडीएसएस के तहत विभिन्न परियोजनाओं के कार्यान्वयन की स्थिति का आकलन किया। बिजली वितरण और विश्वसनीयता में सुधार के लिए समय पर पूरा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता मानकों को बनाए रखते हुए योजना के निर्बाध निष्पादन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बिजली विकास विभाग (पीडीडी) और अन्य हितधारकों के वरिष्ठ अधिकारियों ने डीसी को ट्रांसफार्मर की स्थापना, ट्रांसमिशन लाइन में सुधार और क्षमता वृद्धि सहित बुनियादी ढांचे के उन्नयन की स्थिति के बारे में जानकारी दी। डीसी विकास कुंडल ने विशेष रूप से ग्रामीण और सीमावर्ती क्षेत्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति के महत्व पर जोर दिया और अधिकारियों से परियोजना की प्रगति में बाधा डालने वाली किसी भी बाधा को दूर करने का आग्रह किया। उन्होंने फील्ड अधिकारियों को नियमित रूप से काम की निगरानी करने और प्रभावी कार्यान्वयन के लिए निष्पादन एजेंसियों के साथ समन्वय करने का भी निर्देश दिया। बैठक में वरिष्ठ जिला अधिकारी, विद्युत विभाग के इंजीनियर तथा अन्य प्रमुख हितधारक उपस्थित थे।

सड़क सुरक्षा पर लोगों को जागरूक किया

जम्मू, 18 फ़रवरी (हि.स.)। सड़क सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने एवं सेना और आवाम के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए भारतीय सेना ने राजौरी स्थित सरकारी हाई स्कूल, तरगैन में सड़क सुरक्षा और निवारक उपायों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में 16 पुरुषों, 8 महिलाओं और 16 बच्चों सहित लगभग 40 स्थानीय लोगों ने भाग लिया। सत्र का उद्देश्य नागरिकों को यातायात नियमों और सुरक्षित ड्राइविंग आदतों के बारे में शिक्षित करना था जिसमें लापरवाही से वाहन चलाने, ओवरलोडिंग, बिना हेलमेट के वाहन चलाने और सड़क सुरक्षा मानदंडों की अनदेखी करने के खतरों पर प्रकाश डाला गया। सीट बेल्ट और हेलमेट पहनने, वाहन चलाते समय ध्यान भटकाने से बचने और गति सीमा बनाए रखने जैसे बुनियादी सुरक्षा उपायों पर जोर दिया गया। वास्तविक जीवन के उदाहरणों और संवादात्मक चर्चाओं का उपयोग करते हुए व्याख्यान ने छात्रों को सड़क पर लापरवाही से जुड़े जोखिमों को समझने में मदद की। सत्र को अच्छी प्रतिक्रिया मिली जिसमें छात्रों ने बहुत उत्साह दिखाया और भविष्य में इस तरह के और अधिक जागरूकता कार्यक्रमों का अनुरोध किया।

सत्यमेव जयते

Government of Jammu and Kashmir

DIRECTORATE OF RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT JAMMU

Tel. 0191-2505443 (O) 2503537 (F) E-Mail. drdjjammu@yahoo.com, idardj17@gmail.comk
website- wwwdrdj.nic.in

Sub:- Appointment of Candidate for the post of **"Panchayat Secretary" (Wait List),** Department of Rural Development and Panchayati Raj, **District Cadre Udhampur.**

Ref:-i. J&K, Service Selection Board letter No: JKSSB-Scry/3/2024-03 (E-7402474) dated: 31-10-2024.
ii. Administrative Department (Rural Development & Panchayati Raj) letter No. RDD-Estt0NG/44/2024-12 (E-7538031) dated: 21-11-2024.

ORDER No. 115 - DRDJ of 2025

DATED 14-02-2025

Pursuant to the recommendations received from Service Selection Board, J&K, Jammu/Srinagar through Administrative Department RD&PR vide letter numbers and date referred above, sanction is hereby accorded to the temporary appointment of the following candidate as "Panchayat Secretary" in **District Cadre Udhampur** in the pay level of Rs; 19900-63200 (L-2) with immediate effect;

S. No	S. No. in the SSRB Select List	Candidate's Name	Parentage	Address	Selection Category
01	3	Sanjeev Angral	Ramalo Ram	Village Chak Jaralan, Kanhal, Bishnah, Jammu, 181132	SC

The above appointment shall be subject to following terms and conditions;

1) The appointee shall report to Project Officer, Wage Employment (Assistant Commissioner Development (ACD), Udhampur within a period of 21 days from date of issuance of this order failing which his appointment shall be deemed to have been cancelled without any notice in terms of Circular No: 08-JK (GAD) of 2019 Dated: 04.12.2019 issued by General Administration Department, J&K.
2) The appointee at the time of joining shall produce following testimonials in original and subsequent verification by the concerned DDO from respective issuing authorities and the salary shall be released only after receipt of satisfactory verification reports in this regard:
   a. Domicile Certificate.
   b. Date of Birth Certificate.
   c. Qualification Certificate(s).
   d. Category Certificate (if any).
   e. Physical fitness certificate.
3) Project Officer Wage Employment (Assistant Commissioner Development (ACD), Udhampur after verifying his testimonials and other requisite document(s) shall post him in the block as per the requirement/suitability.
4) That if the appointee has taken loan for self-employment from DIC/Employment Department, to be ascertained from the District Industries Centre (DIC) and District Employment & Counselling Centre of the Domicile District, he shall relinquish the proprietorship of unit/enterprise and also stakes, if any, in such self-employment unit/enterprise before joining the Government service. He shall be required to repay the entire loan liability in suitable EMIs to be worked out by the DDO concerned from his salary. DDO concerned shall obtain an affidavit from the concerned appointee regarding both relinquishment of proprietorship and stakes, if any, in such a self-employment unit/enterprise and recovery to be made and also personally monitor its recovery.
5) The appointment shall be deemed to be cancelled if at any stage it emerges that the certificates/testimonials produced by the candidate are fake or forged and legal action may also be initiated against such candidate.
6) The seniority of the members of cadre shall be regulated under J&K Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1956 and shall be fixed in accordance with the merit obtained by him in the final selection list issued by JKSSB.
7) The appointment shall be subject to the outcome of the writ petition(s)/O.A, if any, pending consideration before any competent court of Law.
8) The appointment of candidate shall also be subject to the outcome of present O.A No. 1206/2024 (Jammu) and O.A No. 592/2024 (Srinagar) pending before Hon'ble Central Administrative Tribunal (CAT).
9) The appointee shall be initially on probation for a period of two years.

No: DRDJ-Estt/ 140/2024-03/P-I(761173)45349-357
Dtd: 14-2-2025

Sd/-
(Mohd Mumtaz Ali) JKAS
Director
Rural Development Deptt.
Jammu

DIP/J-10305/24
Dtd:18-2-2025

संपादकीय

बकाया बिजली बिल–सरकार बनाम सरकार

आखिरकार जम्मू और कश्मीर पावर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (पीडीडी) ने जम्मू क्षेत्र में 50,000 से अधिक डिफॉल्टर उपभोक्ताओं की पहचान की है, और जल्द ही उन्हें अपने लंबित बकाया का भुगतान न करने के लिए बिजली कनेक्शन काटने का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि पीडीडी ने कथित तौर पर सभी डिफॉल्टरों की एक सूची तैयार की है, और कार्ड पर बिजली कनेक्शन काटने के साथ जमीनी स्तर पर कार्रवाई शुरू करने के लिए प्रवर्तन टीमों को लगाया गया है। इस मामले में चौंकाने वाली बात यह है कि केवल जम्मू शहर में ही सरकारी विभागों का बकाया 70 करोड़ रुपये से अधिक है, जिससे आम आदमी को उपदेश देने वाले अधिकारी कटघरे में खड़े हो गए हैं क्योंकि यूटी सरकार अपने ही बनाए विरोधाभासी जाल में फंस गई है।

क्या यह आश्चर्यजनक नहीं है कि एक तरफ जेपीडीसीएल बकाया भुगतान न करने वाले उपभोक्ताओं को बिजली कनेक्शन काटने की धमकी दे रहा है, वहीं दूसरी तरफ कई सरकारी विभाग अपने ही नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं और करोड़ों रुपये के बिजली बिलों का भुगतान नहीं कर रहे हैं? यह वाकई एक क्रूर मजाक है, क्योंकि अनुशासन और जवाबदेही लागू करने का काम जिस संस्था को सौंपा गया है, वह खुद सबसे बड़ी डिफॉल्टर है। जहां आम आदमी को बकाया भुगतान न होने पर कनेक्शन खोने की कठोर वास्तविकता का सामना करना पड़ रहा है, वहीं सरकार अपने बकाया बिलों के बढ़ते ढेर के साथ आराम से बैठी है। कथित तौर पर, संबंधित विभाग ने अगले कुछ दिनों में बिलों का भुगतान न करने पर बिजली कनेक्शन काटने के लिए उप-विभाग स्तर पर प्रवर्तन दल गठित किए हैं। हालांकि रिपोर्टों ने पुष्टि की है कि डिफॉल्टर सरकारी विभागों के खिलाफ भी इसी तरह का दृष्टिकोण अपनाया गया है, लेकिन पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए कोई भी यह अनुमान लगा सकता है कि सरकारी विभागों के खिलाफ कार्रवाई लंबे समय तक नहीं चलेगी। उक्त डिफॉल्टर सरकारी विभागों के प्रमुखों से जवाब मांगा जाना चाहिए कि उन्होंने समय रहते जरूरी कार्रवाई क्यों नहीं की और बिजली बिलों का भुगतान न करने के पीछे क्या कारण है, क्योंकि इस मुद्दे ने लोगों को समय पर बिजली बिलों का भुगतान करने के लिए कहने वाले प्रमुखों के लिए शर्मिंदगी का कारण बना दिया है।

गौरतलब है कि जम्मू संभाग में राजस्व संग्रह का लक्ष्य 3600 करोड़ रुपये रखा गया है, लेकिन अभी तक केवल 1800 करोड़ रुपये ही एकत्र हो पाए हैं। वित्तीय वर्ष 31 मार्च को समाप्त हो रहा है, इसलिए विभाग चालू वित्तीय वर्ष में अधिकतम राजस्व एकत्र करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है।

हालांकि, अगर सरकार वास्तव में वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करना चाहती है, तो उसे उदाहरण पेश करना चाहिए – आम आदमी को दंडित करने से पहले अपने स्वयं के बकाए का भुगतान करना चाहिए।

डॉक्टर बनने के लिए क्यों देश छोड़ रहे भारतीय छात्र?

–डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत छोड़ने वाले मेडिकल छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है, हर साल 30, 000 से अधिक छात्र विदेश जाते हैं। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के आंकड़ों के अनुसार, केवल 16 प्रतिशत विदेशी मेडिकल स्नातक फ़ॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्ज़ामिनेशन स्क्रीनिंग परीक्षा पास करते हैं। नीट प्रतियोगिता, उच्च ट्यूशन और घरेलू सीटों की कमी के कारण, भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली त्रस्त है, जिसके कारण विदेशी शिक्षा पर निर्भरता बढ़ रही है। कम ट्यूशन लागत, सुव्यवस्थित प्रवेश प्रक्रिया और मान्यता प्राप्त डिग्री के साथ, कई देश यात्रा के लिए पसंदीदा गंतव्य हैं। इन तथ्यों के कारण, छात्रों की बढ़ती संख्या भारत के बाहर चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करके अंतर को पाट रही है, जिससे यह गारंटी मिलती है कि वे अभी भी डॉक्टर बनने की अपनी आकांक्षाओं को पूरा कर सकते हैं। आसान आवेदन और प्रवेश प्रक्रिया के कारण भारतीय छात्र अंतरराष्ट्रीय मेडिकल कोर्स को प्राथमिकता देते हैं। छात्र अंग्रेज़ी या कोई विदेशी भाषा पढ़ सकते हैं। हर साल ट्यूशन पर लगभग 200000 से 300000 रुपये ख़र्च होते हैं। कोई कैपिटेशन शुल्क की आवश्यकता नहीं है। कई अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों को विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारतीय चिकित्सा परिषद से मान्यता मिली हुई है। अच्छी शैक्षिक गुणवत्ता के साथ इनकी डिग्री अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार मान्यता प्राप्त है। घरेलू सीटों के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण भारतीय मेडिकल छात्र तेजी से देश छोड़ रहे हैं। भारत में छात्र भयंकर प्रतिस्पर्धा के कारण विदेशों में विकल्प तलाशते हैं, अक्सर उन देशों में जहाँ चिकित्सा नियम ढीले होते हैं।

चूँकि भारत में हर 22 आवेदकों के लिए केवल एक मेडिकल सीट है, इसलिए 20,000 से अधिक छात्र हर साल चीन, रूस और यूक्रेन जैसे देशों में विदेश में अध्ययन करने के लिए मजबूर हैं।

लेकिन कई अंतरराष्ट्रीय मेडिकल स्कूलों में पाठ्यक्रम की असमान गुणवत्ता से छात्रों की रोजगार क्षमता और योग्यता प्रभावित होती है। भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली तक विदेशी स्नातकों की पहुँच में देरी होती है क्योंकि उन्हें फ़ॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्ज़ामिनेशन पास करना होता है और इंटर्नशिप पूरी करनी होती है। बीते साल फ़ॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्ज़ामिनेशन लेने वाले 32,000 भारतीय छात्रों में से केवल 4,000 ही योग्य थे। इन छात्रों और परिवारों के लिए, उच्च ट्यूशन लागत, अस्थिर अर्थव्यवस्थाएँ और कुछ देशों में सुरक्षा सम्बंधी खतरे के अतिरिक्त जोखिम हैं। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के कारण 24,000 से अधिक भारतीय मेडिकल छात्रों को विस्थापित होना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय नुक़सान और अनिश्चित शैक्षणिक भविष्य हुआ। भारत में डॉक्टरों की कमी बदतर होती जा रही है क्योंकि अधिक विदेशी प्रशिक्षित चिकित्सा पेशेवर वहाँ बेहतर अवसरों के कारण विदेशों में अभ्यास करना पसंद करते हैं।

चिकित्सा शिक्षा की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पहला परिवर्तन चिकित्सा सीटों की संख्या का विस्तार करना है। 2025 में 10,000 और मेडिकल सीटें जोड़ी जाएंगी, भारत में 75,000 अतिरिक्त सीटों का पांच साल का लक्ष्य है। वंचित क्षेत्रों में शिक्षा तक पहुँच बढ़ाने के लिए किफायती मेडिकल कॉलेज स्थापित करने होंगे। नए सरकारी मेडिकल कॉलेज खोलने और टियर-2 और टियर-3 शहरों में एम्स के विस्तार से चिकित्सा शिक्षा तक पहुँच बढ़ी है।

उच्च गुणवत्ता वाले निर्देश और उचित लागत को बनाए रखते हुए निजी निवेश को प्रोत्साहित करना होगा। कैरिबियन और मणिपाल कॉलेज ऑफ़ मेडिकल साइंसेज (नेपाल) जैसे संस्थान प्रदर्शित करते हैं कि भारतीय संस्थान पब्लिक, प्राइवेट, पार्टनरशिप मॉडल के तहत घरेलू स्तर पर विकसित हो सकते हैं। अधिक खुली प्रवेश प्रक्रियाओं और कई प्रवेश मार्गों को लागू करके नीट पर निर्भरता कम करना ज़रूरी है। चयन मानदंडों को व्यापक बनाने के प्रयास में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा ब्रिज कोर्स और वैकल्पिक प्रवेश प्रणाली का सुझाव दिया गया है। भारतीय छात्रों की सेवा के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों द्वारा अंतरराष्ट्रीय परिसरों को बढ़ावा देना होगा। आईआईटी और मणिपाल समूह के अंतरराष्ट्रीय विस्तार से एक ऐसा मॉडल सुझाया गया है, जिसमें भारतीय मेडिकल स्कूल भारतीय नियमों के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करते हैं।

चिकित्सा शिक्षा और इंटर्नशिप को मज़बूत करने के लिए, हमें ऐसे सुधारों को लागू करना चाहिए जो उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा के प्रावधान की गारंटी देते हैं। भारतीय चिकित्सा शिक्षा को अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप लाना और ग्रामीण क्षेत्रों में अनिवार्य इंटर्नशिप की आवश्यकता है। रोगी देखभाल और व्यावहारिक कौशल पर ज़ोर देने के लिए, 2019 में योग्यता-आधारित चिकित्सा शिक्षा (सीबीएमई) पाठ्यक्रम लागू किया गया था। अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, नैदानिक अनुभव और चिकित्सा संकाय प्रशिक्षण में पैसा लगाना ज़रूरी है। एम्स और एनएमसी सुधारों द्वारा मेडिकल कॉलेजों के लिए आधुनिक सिमुलेशन लैब और ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म की आवश्यकता है। एकरूपता की गारंटी के लिए सरकारी और निजी मेडिकल स्कूलों का नियमित मूल्यांकन ज़रूरी है।

एनएमसी द्वारा प्रशासित नेशनल एग्जिट टेस्ट (एनईएक्सटी), भारत और विदेश दोनों से मेडिकल स्नातकों के लिए लाइसेंसिंग परीक्षाओं को मानकीकृत करने का प्रयास करता है। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बेहतर कामकाजी परिस्थितियाँ, प्रोत्साहन और अधिक वेतन प्रदान करना आवश्यक है। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) वंचित क्षेत्रों में एम्स जैसे संस्थान स्थापित करना चाहती है। प्रशिक्षण और स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना अति आवश्यक है। ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन पहल की बदौलत दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा वितरण में सुधार हुआ है, जिसने 14 करोड़ से अधिक परामर्शों को सक्षम किया है। मेडिकल सीटें बढ़ाने, निजी कॉलेज ट्यूशन को नियंत्रित करने और एफएमजी एकीकरण को मज़बूत करने की तीन-आयामी रणनीति आवश्यक है। संकाय मानकों और मेडिकल सीट वितरण के सम्बंध में एनएमसी के 2023 के सुधार सकारात्मक क़दम हैं। इसके अलावा, ग्रामीण सेवा को प्रोत्साहित करना और सार्वजनिक-निजी भागीदारी बनाना भारत की स्वतंत्रता की गारंटी देते हुए गुणवत्ता और पहुँच में सुधार कर सकता है। भारत में, चिकित्सा शिक्षा बेहद महंगी है। प्रवेश की बाधाएँ तर्कहीन हैं। बहुत से और छात्र डॉक्टर बनने में सक्षम हैं। भारत में और अधिक डॉक्टरों की सख्त ज़रूरत है, खासकर उन लोगों की जो देश के ग्रामीण इलाकों में काम करने के इच्छुक हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

प्रकृति का सम्मान करें – पर्यावरण संरक्षण के लिए ईमानदार प्रयास जरूरी

–डॉ. दीपक आचार्य

वर्तमान में व्याप्त सभी प्रकार की समस्याओं, संत्रासों, पीड़ाओं और अभावों का मूल कारण प्रकृति के प्रति हमारी खुदगर्जी भरी विकारी मनोवृत्ति है। इस बात को प्रत्यक्ष तौर पर कोई भले स्वीकार न करें, लेकिन सत्य यही है।

पंचतत्वों से निर्मित जीवों का सर्वोपरि धर्म प्रकृति की रक्षा के लिए समर्पण है। लेकिन हम विकास की दौड़ और समृद्धि पाने की आतुरता में प्रकृति के शोषण को इतना अधिक अपना चुके हैं कि कुछ कहा नहीं जा सकता।

मनुष्य की प्रतिस्पर्धी तमोगुणी दुष्प्रवृत्ति के कारण पैदा हो रहे परिवेशीय संकटों से मुक्ति पाने के लिए सतोगुणी वृत्ति को विकसित किया जाना आज की प्राथमिक आवश्यकता है। तभी वन एवं वन्य जीवों को संरक्षित कर सुरक्षित जीवन प्रदान किया सकता है, जिससे हम पर्यावरण को शुद्ध बना सकते हैं।

मानव की रजो एवं तमो गुणी मानसिकता तथा आर्थिक वृत्ति के कारण वह वन्य एवं वनों को नष्ट करने में परहेज नहीं करता, इसलिए हमें अपने आपको सत्त्व गुणी बनाने की जरूरत है, ताकि हम पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में ईमानदारी से कार्य कर सकें। वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण सबसे बड़ी चुनौती के रूप में हमारे सामने विद्यमान है। हम सभी इंसानों को वैयक्तिक सोच के साथ प्रकृति और परिवेशीय तमाम कारकों के प्रति संवेदनशील कर्त्तव्य भावना का ख्याल रखते हुए सामूहिक सोच के साथ इस दिशा में आगे आना होगा।

भयावह होगा प्रकृति का प्रकोप

पर्यावरण के दूषित होने से मनुष्य का जीवन खतरे में पड़ता जा रहा है। इस बारे में अभी गंभीरता से नहीं सोचा गया तो आने वाला समय अत्यन्त और अपरिहार्य भयावह परिस्थितियों से साक्षात् कराने वाला हो सकता है। इसके संकेत कुछ वर्ष से दिखाई देने लगे हैं।

प्राचीन समय में पेयजल एवं वन संरक्षण के लिए प्रकृति को ही परमेश्वर मानकर पूजा की जाती थी तथा उनके रखरखाव के लिए लोग स्वयंस्फूर्त भावना से आगे आकर सहभागिता निभाते हुए प्रसन्नता एवं आत्मतोष का अनुभव करते थे। इसी का परिणाम है कि आज तक हम शुद्ध पर्यावरण का सुकून लेते आ रहे हैं। लेकिन यह स्थिति लम्बे समय तक चलने वाली नहीं रहने वाली।

प्रकृति पूजा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी आस्थावादी पुरातन सोच को फिर से जागृत कर सुनहरा आकार देने की आवश्यकता है। तभी हम इस विषय पर सार्थक परिणाम अर्जित कर सकेंगे।

जनजागृति का संचार हो

आज स्वार्थ के वशीभूत होकर प्राकृतिक संसाधनों का दोहन निर्मम एवं असीम शोषण के स्तर तक पहुंच चुका है। इस स्थिति में वन सम्पदा एवं वन्य जीवों के संरक्षण के प्रति आम जनमानस को जागृत करने की जरूरत है।

धरती पर इंसान यदि जिन्दा रहा चाहता है तो उसे पर्यावरण के प्रति चिन्तन करते हुए अपने फर्ज निभाने ही होंगे, अन्यथा जब कभी प्रकृति कुपित होकर रौद्र रूप दिखाने अपनी औकात पर आ जाएगी तो उससे होने वाले विनाश को कोई रोक नहीं पाएगा।

समय आ गया है कि पर्यावरण संरक्षण एवं वन संवर्धन के चिन्तन को हमारी प्राथमिकता में सबसे ऊपर रखें और इस क्षेत्र में पूरी शक्ति एवं सामर्थ्य से जुटते हुए परिवर्तन लाएं।

आज मशीनीकरण के कारण पर्यावरण इतना दूषित होता जा रहा है कि इसका दुष्परिणाम आने वाली पीढ़ी को भोगना ही पड़ेगा। ऐसे में अधिक से अधिक पौधारोपण, पूर्व से स्थापित वृक्षों एवं वनों का संरक्षण तथा बहुआयामी प्रदूषण को रोकने के उपायों में अभी से जुटना होगा। वर्तमान युग की हम इंसानों से यही अपेक्षा है।

मानवीय अपेक्षाओं पर खरे उतरें

धरती माता पर जो जीव जन्तु एवं वृक्ष पैदा हुए हैं, उन सभी को मानव जाति से ही अपेक्षा है कि वह उनकी रक्षा करे और उनके जीवन निर्वाह में किसी भी प्रकार की बाधाएं न आने पाएं। जन, जंगल एवं वन्य जीव एक दूसरे के पूरक हैं, इसलिए इन्हें बचाए रखना प्रत्येक मानव का दायित्व है।

वृक्ष हमारे मित्र हैं एवं ये कमाऊ पूत की तरह ही रक्षण करते हैं। इसलिए इन्हें अपने पुत्र की तरह पालन-पोषण करना चाहिए। जल, वन एवं वन्य जीव मानव विकास के मूल तत्त्व हैं। इन्हें संरक्षित करना हमारा परम धर्म है।

आज इस विषय पर गंभीरता से चिन्तन मनन नहीं किया गया तो वह दिन दूर नहीं जब हमारा साँस लेना भी मुश्किल हो जाएगा, जीवन का आधार प्राणवायु ही हमारे भाग्य से दूर हो जाएगा। वन लगाकर ही इस पर्यावरण को शुद्ध बनाया जा सकता है।

धरातलीय नैष्ठिक प्रयास बिना सफलता असंभव

धरती के प्रत्येक प्राणी को यह संकल्प लेने की आवश्यकता है कि हर साल कम से कम एक पेड़ लगाकर उसका सुरक्षित पल्लवन करे। वृक्षारोपण के नाम पर साल भर में हरित उत्सव, हरियाली उत्सव, पर्यावरण दिवस और अनेक आयोजन होते रहते हैं और इनमें पेड़ लगाए भी जाते हैं। लेकिन बाद में उनका किस तरह से ख्याल रखा जाता है, इस बारे में किसी को कुछ बताने की आवश्यकता नहीं है।

यही कारण है कि इतने वर्षों से चलाए जा रहे अभियानों के बावजूद कुछ ख़ास बदलाव नहीं आ पाया और आज भी हमें पर्यावरण के लिए दिवस, उत्सव मनाने की आवश्यकता बनी हुई है।

नौटंकियों से ऊपर उठना होगा

पौधारोपण के नाम पर पब्लिसिटी फोबिया से ग्रस्त पर्यावरण प्रेमियों की हमारे देश में कहीं कोई कमी नहीं है। पर्यावरण संरक्षण के पुरस्कारों की दौड़ में भी खूब सारे वृक्षप्रेमियों का तांता लगा रहता है। इनमें से कितने लोग धरातल पर वास्तविक कार्य कर रहे हैं, इस बारे में सभी जानते हैं।

पर्यावरण संरक्षण-संवर्धन और वृक्षारोपण से जुड़े आयोजनों का अधिकांश समय उपदेशात्मक भाषणबाजी और पेड़ लगाने के आह्वानों-अपीलों में ही जाया हो जाता है। जबकि इनमें भाषणबाजी और मंचीय-लंचीय नौटंकी में समय जाया करने की बजाय पेड़ लगाने का काम ही होना चाहिए।

स्थानीय प्रजातियों का पौधारोपण ही उपयोगी जहाँ-जहाँ पौधारोपण के अभियान चलाए जाएं, वहाँ-वहाँ स्थानीय प्रजातियों के परम्परागत और प्राचीन वृक्षों को लगाने का कार्य होना चाहिए, न कि वृक्षारोपण के लक्ष्यों को दिखाने के लिए उन पेड़-पौधों को लगा दिया जाए, जो कि जल्दी-जल्दी बड़े होते हैं।

देश के कई हिस्सों में वन विभाग और दूसरी एजेंसियों ने सफेदा (यूकेलिप्ट्स), विलायती बबूल और दूसरे पौधे इसलिए लगा दिए, ताकि इनकी तेज वृद्धि दर से हरियाली को दर्शाया जा सके। लेकिन इनका नुकसान यह हुआ कि ऐसे पौधों से भूमिगत जल अधिक सोखा जाकर वाष्पीकृत हुआ और पानी का अकाल तक देखा गया।

पर्यावरण संरक्षण के लिए देव वन और ओरण पद्धति को भी संरक्षित, विकसित एवं विस्तारित किए जाने की आवश्यकता है। तभी आम जन का जुड़ाव और अधिक बढ़कर पर्यावरण संरक्षण को नए एवं प्रगतिकारी आयाम प्रदान कर सकेगा। पर्यावरण संरक्षण के लिए हमें वाहनों के उपयोग को सीमित रखने के लिए आत्म अनुशासन को भी अपनाना होगा। इससे प्रदूषण कम होगा। इस दिशा में सामूहिक प्रयासों को अभियान के तौर पर लिए जाने और ईमानदारी से काम करने की आवश्यकता है।

(लेखक, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के पूर्व संयुक्त निदेशक हैं।)

छत्रपति शिवाजी महाराज: क्यों कहे जाते हैं सच्चे हिंदू राजा

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

तथाकथित धर्मनिरपेक्ष इतिहासकारों ने अक्सर हिंदू नायकों को हीन और इस्लामी आक्रमणकारियों को महान व्यक्तित्व के रूप में चित्रित करने का प्रयास किया है। यह भी कि 1947 से 1975 तक अधिकांश मानव संसाधन विकास मंत्री मुस्लिम थे, जिन्होंने भारतीय पाठ्य-पुस्तक इतिहास की देखरेख की। ये इतिहासकार शिवराय को एक धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति के रूप में चित्रित करने का प्रयास कर रहे हैं, जिन्होंने हिंदू कारणों के बजाय सामाजिक न्याय के लिए लड़ाई लड़ी। ये नकली इतिहासकार उनकी सेना में बड़ी संख्या में मुसलमानों के बारे में झूठी मिथक बनाने के लिए भी जिम्मेदार हैं। आइए तथ्यों पर नज़र डालें, जो स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि उन्होंने सनातन धर्म की महिमा को बहाल करने और हिंदू कारणों के लिए हिंदुओं को एकजुट करने के लिए संघर्ष किया। एक हिंदू होने के नाते, उन्होंने हिंदुओं और उनकी महान विरासत के खिलाफ अन्याय का विरोध और लड़ाई करते हुए कभी भी किसी धर्म का तिरस्कार नहीं किया।

पिछली तीन शताब्दियों में भारत ने जो सबसे महान राजा पैदा किया, वह शिव का ही अवतार था, जिसके बारे में उसके जन्म से बहुत पहले ही भविष्यवाणियाँ की जा चुकी थीं। महाराष्ट्र के सभी महान आत्माएँ और संत उत्सुकता से उनके आगमन की प्रतीक्षा कर रहे थे, क्योंकि वह हिंदुओं को म्लेच्छों से बचाएगा और धर्म की स्थापना करेगा, जिसे मुगलों की विनाशकारी भीड़ ने नष्ट कर दिया था卐। क्या शिवराय से बड़ा कोई नायक, संत, भक्त या राजा है? शिवराय मानव जाति के जन्मजात राजा का प्रतीक थे, जैसा कि हमारे प्राचीन महाकाव्यों में दर्शाया गया है। उन्होंने भारत के सच्चे पुत्र का उदाहरण दिया, जो राष्ट्र की चेतना का प्रतीक थे। यह वह थे जिसने दिखाया कि भारत का वर्तमान या भविष्य में क्या होगा, एक ही छत्र के नीचे अलग-अलग इकाइयों का संग्रह, यानी एक सर्वोच्च शाही आधिपत्य।

असाधारण प्रतिभा और स्पष्ट दृष्टि रखने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज ही एकमात्र ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई। उनके पास एक प्रेरक और आकर्षक व्यक्तित्व भी था जिसने उनके समर्पित सैनिकों और किसानों से सम्मान, वफादारी और महानतम बलिदान प्राप्त किया। अपने हिंदवी स्वराज्य को बनाने के लिए अपनी माँ और महाराष्ट्र के संतों द्वारा उनमें डाले गए सर्वोच्च आदर्शों से प्रेरित एक साहसी मिशन, उन्हें हिंदुओं की सोई हुई अंतरात्मा को जगाना था और यह प्रदर्शित करना था कि मुगल सत्ता को सफलतापूर्वक चुनौती देना, विदेशी प्रभुत्व को खत्म करना और मुस्लिम शासन से स्वतंत्रता प्राप्त करना संभव था।

हिंदुओं के स्वाभिमान और संस्कृति को छत्रपति शिवाजी महाराज ने बनाए रखा था। जब विदेशी आक्रमणकारी हमारी भूमि पर आए, तो उन्होंने मठों और मंदिरों को ध्वस्त करके हिंदू समुदाय को नष्ट करने का प्रयास किया। इस तरह के विनाश के उदाहरणों में बाबर द्वारा अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर को ध्वस्त करके मस्जिद बनाना और औरंगजेब द्वारा काशी विश्वनाथ और मथुरा मंदिरों को ध्वस्त करना शामिल है। इन मंदिरों के स्थान पर मुस्लिम आक्रमणकारियों ने जो निर्माण किए, वे हमारे लिए बेहद अपमानजनक हैं। प्रसिद्ध इतिहासकार श्री अर्नोल्ड टॉयनबी ने 1960 में दिल्ली में एक व्याख्यान में कहा, 卐आपने अपने देश में औरंगजेब द्वारा बनाई गई मस्जिदों को संरक्षित किया है, हालांकि उनका इतिहास बहुत अपमानजनक था। जब रूस ने उन्नीसवीं सदी की शुरुआत में पोलैंड पर कब्जा कर लिया, तो उन्होंने अपनी जीत की याद में वारसॉ के केंद्र में एक रूसी रूढ़िवादी चर्च बनाया। जब पोलैंड को प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान स्वतंत्रता मिली, तो सबसे पहले उसने रूस द्वारा बनाए गए चर्चों को ध्वस्त कर दिया और रूसी प्रभुत्व की याद दिलाने वाले अवशेषों को खत्म कर दिया। क्योंकि चर्च ने पोलिश लोगों के रूसी हाथों उनके अपमान की निरंतर याद दिलाई। इसी कारण से भारत में राष्ट्रवादी संगठनों ने श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन चलाया। वास्तव में छत्रपति शिवाजी महाराज ने यह कार्य पहले ही शुरू कर दिया था। गोवा में सप्तकोटेश्वर, आंध्र प्रदेश में श्रीशैलम और तमिलनाडु में समुद्रतिरपेरुमल के मंदिरों का जीर्णोद्धार महाराजा ने ही करवाया था। यदि आप हमारे मंदिरों को तोड़ते हैं और हमारी संस्कृति का अपमान करते हैं और हमारे स्वाभिमान को ठेस पहुँचाते हैं, तो हम हठपूर्वक उनका पुनर्निर्माण करेंगे – यह संदेश छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपने कार्यों के माध्यम से मुस्लिम आक्रमणकारियों को दिया था। 1678 के एक पत्र में, जेसुइट पुजारी आंद्रे फेयर ने बीआईएसएम, पुणे (1928, पृष्ठ 113) द्वारा जारी ऐतिहासिक मिश्रण में कहा है कि किसी भी देश से धर्म और संस्कृति को नहीं छीना जा सकता। आत्मसम्मान कभी नहीं छीना जा सकता। छत्रपति शिवाजी महाराज ने हमें सिखाया, यदि विदेशी हमलावर हमारे आत्मसम्मान पर हमला करते हैं, तो हमें दासता के निशान मिटाकर और अपनी गरिमा को बहाल करके उचित जवाब देना चाहिए। कई हिंदू योद्धाओं ने दबाव में या अपने मुस्लिम आकाओं (सुल्तानों) को खुश करने के लिए इस्लाम धर्म अपना लिया था। शिवाजी ने उनमें से कई को सनातन धर्म में वापस आने के लिए प्रोत्साहित किया और उनकी मदद की। उनके बड़े बेटे और महान योद्धा शंभू राजे ने एक पत्र में अपने पिता को 卐म्लेच्छक्षयदीक्षित卐 कहा है जिसका अर्थ है वह जिसने मुस्लिम आक्रमणकारियों को नष्ट करने की शपथ ली है। जब पुर्तगाली उन्हें लिखते थे, तो वे पत्र की शुरुआत इन शब्दों से करते थे- हिंदू सेना के जनरल को। क्या इसे किसी स्पष्टीकरण की आवश्यकता है? छत्रपति शिवाजी महाराज ने भारत में सांस्कृतिक और राजनीतिक हिंदू शक्ति को पुनर्जीवित किया। उन्होंने भाषा के शुद्धिकरण और सभी फारसी और उर्दू शब्दों को हटाने के लिए पंडितराव नामक एक विशेष पद और व्यक्ति की नियुक्ति की। छत्रपति संभाजी महाराज ने संत तुकाराम महाराज की पालकी के लिए एक समर्पित सेना तैनात करने की प्रथा शुरू की जो आज भी जारी है। छत्रपति शिवाजी महाराज और छत्रपति संभाजी महाराज दोनों ने हिंदू मंदिरों, संतों और उद्देश्यों को अनुदान देने की प्रथा को बनाए रखा और जारी रखा।

श्रीमंत झा ने जीता नॉर्वे पैरा आर्म रेसलिंग कप में रजत पदकें

एजेंसी

नयी दिल्ली। पैरा एथलीट श्रीमंत झा ने नॉर्वे पैरा आर्म रेसलिंग कप में 85 प्लस किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। आज यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार दुनिया के तीसरे और एशिया के नंबर वन आर्म रेशलर श्रीमंत झा ने एशिया पैरा-आर्म रेसलिंग कप 2025 में 85 प्लस किलोग्राम वर्ग में पोलैंड के मार्सिन कैप्लिकी को हराकर रजत पदक अपने नाम किया। पैरा-एथलीट श्रीमंत झा ने अपना रजत पदक महाकुंभ में जान गवांने वाले लोगों को समर्पित किया है। यह टूर्नामेंट 13 फरवरी से 15 फरवरी चला। नॉर्वे के जॉन फ्रेविक ने इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। स्वदेश पहुंचने पर श्रीमंत झा ने कहा, 0यह मेरे लिए एक विशेष जीत है। मैं हर एक मैच शहीद जवानों के सम्मान के लिए जीतता हूं। अब मैं आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित करूंगा और निश्चित रूप से भारत को फिर से गौरवान्वित करने की कोशिश करूंगा। पैरा एथलीट के रूप में श्रीमंत झा अब तक 52 अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुके है। रजत पदक जीतने पर आर्म रैसलिंग की अध्यक्षा प्रीति झींझानी छत्तीसगढ़ के आर्म रैसलिंगके अध्यक्ष जी सुरेश बाबे, चेयरमैन बृज मोहन सिंह , सचिव श्रीकांत एवं कोच ऋषभ जैन ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

रोहन कांबले ने हर्डल रेस में जीता कांस्य पदक

अहमदाबाद। पश्चिम रेलवे में गुजरात के अहमदाबाद मण्डल के रोहन कांबले ने 38वें राष्टीय खेलों में हर्डल रेस में कांस्य पदक जीता। वरिष्ठ मण्डल मेकेनिकल इंजीनियर (समन्वय) जगदंबा प्रसाद ने बताया कि अहमदाबाद डिवीजन के मैकेनिकल विभाग में जूनियर क्लर्क के पद पर कार्यरत रोहन गौतम कांबले ने आठ फरवरी से 12 फरवरी तक उत्तराखंड के देहरादून में आयोजित 38वें राष्टीय खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए बाधा दौड़(हर्डल रेस) में कांस्य पदक जीता। श्री जगदंबा प्रसाद ने बताया कि रोहन ने एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 400 मीटर बाधा दौड़ (हर्डल रेस) स्पर्धा में भाग लिया और उसे 51.77 सेकंड में पूरा किया। इस अद्वितीय सफलता ने न केवल उनकी व्यक्तिगत क्षमता को प्रदर्शित किया बल्कि उन्होंने अहमदाबाद मण्डल का नाम भी रोशन किया है। मण्डल रेल प्रबंधक अहमदाबाद सुधीर कुमार शर्मा ने श्री कांबले को इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी और कहा, रोहन की कड़ी मेहनत और समर्पण ने अहमदाबाद मण्डल को बहुत गौरवान्वित किया है। हम उनके भविष्य के प्रयासों में निरंतर सफलता की कामना करते हैं।

डब्ल्यूपीएल में गिल्लियां पूरी तरह से स्टंप से हटने पर विकेट को आउट माना जायेगा

वडोदरा । दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच 15 फरवरी को खेले गए मैच में रनआउट को लेकर पनपे विवाद के बीच डब्ल्यूपीएल की सभी टीमों को गिल्लियां पूरी तरह से स्टंप से हटने पर विकेट को आउट माने जाने के नियम से अवगत दिया है। इस नियम के तहत अब रनआउट और स्टंपिंग पर फैसला लेते समय अंपायर यह देखेंगे की गिल्लियां पूरी तरह से कब स्टंप से हटी हैं। पहले के नियम में जैसे ही लाइट जल जाती थी गिल्ली को स्टंप से अलग मान लिया जाता था। ऐसा पता चला है कि डब्ल्यूपीएल में इस्तेमाल हो रही गिल्लियां बहुत कम अवरोध पर ही जल जा रही हैं। ऐसा देखा जा रहा है कि दोनों गिल्लियां स्टंप से ऊपर भी नहीं उठीं और लाइट जल गई। क्रिकेट में जब गिल्लियां पूरी तरह से अपने स्थान हट जाती हैं तभी उन्हें स्टंप से अलग माना जाता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्विपक्षीय सीरीज़ के साथ ही घरेलू क्रिकेट में भी एलईडी गिल्लियों का इस्तेमाल करता है। ऐसा बताया जा रहा है कि डीसी और एमआई के बीच हुए मैच की सुबह मैच के अधिकारियों को इस नियम के बारे में अवगत कराया गया था। हालांकि, टीमों को इसके बारे में मैच के अगले दिन पता चला।

मनु भाकर बनी बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर

नयी दिल्ली। भारत की स्टार महिला निशानेबाज और पेरिस ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर को बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर पुरस्कार 2024 से नवाजा गया है। आज यहां आयोजित एक समारोह में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुई वोटिंग के बाद मनु भाकर के नाम की घोषणा की गई। समारोह में बीबीसी के डायरेक्टर जनरल टिम डेवी और भारतीय मुक्केबाज मैरी कॉम ने मनु भाकर को इस पुरस्कार से सम्मानित किया। पुरस्कार मिलने बाद मनु भाकर ने कहा, बीबीसी का इस पुरस्कार के लिए शुक्रिया। यह उतार-चढ़ाव वाला सफर रहा है।

मैंने बहुत सारे मैच जीते हैं, लेकिन यहां आपके सामने खड़ा होना मेरे लिए गर्व की बात है। उन्होंने इससे ना केवल देश की महिलाओं को बल्कि उन खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी जिनका सपना कुछ बड़ा करने का है।

खडसे ने किया महाराष्ट्र ईस्पोर्ट्स ओपन चैंपियनशिप 2025 का उद्घाटन

एजेंसी

पुणे। केंद्रीय युवा मामले और खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने महाराष्ट्र ईस्पोर्ट्स ओपन चैंपियनशिप 2025 का उद्घाटन किया। प्रतिष्ठित एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी में आयोजित यह चैंपियनशिप राज्य के खेल इतिहास और देश के उभरते ईस्पोर्ट्स उद्योग में एक ऐतिहासिक क्षण के रूप में कार्य करती है। फेडरेशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक स्पोर्ट्स एसोसिएशन इंडिया (एफईएआई) और मराठा ईस्पोर्ट्स एसोसिएशन (एमईए) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में राज्य भर से 2100 प्रतिभागी भाग लेंगे। इसमें 52 फाइनलिस्ट पहले ही ग्रैंड फिनाले में पहुंच चुके हैं। इस अवसर पर श्रीमती खड़से ने कहा, यह कार्यक्रम विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह ऐसे समय में हो रहा है जब अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने ईस्पोर्ट्स के बढ़ते महत्व को मान्यता दी है, ओलंपिक ईस्पोर्ट्स गेम्स 2027 में

शुरू होने वाले हैं। आईओसी के फैसले ने भारत सहित कई देशों को ईस्पोर्ट्स को वैध खेल के रूप में समर्थन देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने के लिए प्रेरित किया है। इस प्रक्रिया में महाराष्ट्र की सक्रिय भूमिका इसे डिजिटल खेल क्रांति में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करती है। उन्होंने कहा, ईस्पोर्ट्स का विकास वैश्विक स्तर पर जारी है, 2023 एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप जैसे आयोजनों में ऐसे पुरस्कार दिए जा रहे हैं जो आईपीएल जैसी पारंपरिक खेल लीगों को टक्कर देते हैं। सऊदी अरब में 2027 ओलंपिक ईस्पोर्ट्स गेम्स में भी ईस्पोर्ट्स के प्रमुख होने की उम्मीद है, जहाँ दुनिया भर के खिलाड़ी ओलंपिक इतिहास में पहली बार प्रतिस्पर्धा करेंगे। ईस्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए, भारत सरकार ने दिसंबर 2023 में युवा मामले और खेल मंत्रालय के तहत ईस्पोर्ट्स को औपचारिक रूप से ÷मल्टीस्पोर्ट इवेंट÷ के रूप में वर्गीकृत किया, जिससे इसकी स्थिति और मजबूत हुई। पिछले सप्ताह सरकार ने ईस्पोर्ट्स खिलाड़ियों को अन्य पारंपरिक खेलों की तरह ही उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नकद पुरस्कार दिये जाने की घोषणा की है। ईस्पोर्ट्स एथलीटों के लिए बुनियादी ढाँचा, वित्त पोषण और अवसर विकसित करने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता की बदौलत महाराष्ट्र अब देश का ईस्पोर्ट्स हब बनने के लिए तैयार है।

मिताली राज ने आरसीबी की धमाकेदार जीत को सराहा, कहा- पहले ओवर से ही खेल पर कर लिया था नियंत्रण

एजेंसी

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने वडोदरा में खेले गए महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को आठ विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस जीत में रेणुका सिंह, जॉर्जिया वेयरहम और कप्तान स्मृति मंधाना के बेहतरीन प्रदर्शन ने अहम भूमिका निभाई। पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज ने आरसीबी के इस प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि टीम ने पहले ओवर से ही खेल पर पकड़ बना ली थी। जियो हॉटस्टार पर मिताली ने कहा, जब रेणुका सिंह ने पहले ही ओवर में शैफाली वर्मा को आउट किया, तभी से आरसीबी ने खेल पर नियंत्रण कर लिया। स्मृति मंधाना ने बेहतरीन कप्तानी की और उनके गेंदबाजी बदलावों का असर साफ दिखा। उनकी पारी ने टीम को मजबूत शुरुआत दी।

आरसीबी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। दिल्ली कैपिटल्स को पहला झटका पारी की पहली ही गेंद पर लगा, जब शैफाली वर्मा (0) रेणुका सिंह की गेंद पर स्मृति मंधाना को

कैच दे बैठीं। इसके बाद जेमिमा रोड्रिग्स (34) और कप्तान मेग लैनिंग (17) ने 60 रन की साझेदारी कर पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन जॉर्जिया वेयरहम ने जेमिमा को स्टंप आउट कर दिल्ली को दूसरा झटका दिया। दिल्ली की पारी 19.3 ओवर में 141 रन पर सिमट गई।

डब्ल्यूपीएल 2025: चौथे मैच में आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराया

एजेंसी

वडोदरा। महिला प्रीमियर लीग 2025 के चौथे मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही आरसीबी ने टूर्नामेंट में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की और अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। दिल्ली की टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी लेकिन शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 19.3 ओवर में 141 रन बनाए। जेमिमा रोड्रिग्स ने सबसे ज्यादा 34 रन बनाए, जबकि सारा ब्राइस ने 23 रन जोड़े।

आरसीबी की ओर से गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। रेणुका ठाकुर सिंह और जॉर्जिया वेयरहैम ने तीन-तीन विकेट झटके, जबकि किम गर्थ और एकता बिष्ट ने दो-दो विकेट चटकाए।

दिल्ली की ओर से मिले 142 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की टीम ने मजबूत शुरुआत की। स्मृति मंधाना ने 81 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें उन्होंने 47 गेंदों में 10 चौके और 3 छक्के लगाए। डेनिएल व्याट-हॉज ने भी 42 रनों का योगदान दिया। टीम ने 16.2 ओवर में सिर्फ दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। दिल्ली कैपिटल्स के लिए अरुंधति रेड्डी और शिखा पांडे ने एक-एक विकेट लिया।

जोकोविच ने वापसी करते ही वर्डास्को के साथ हासिल की धमाकेदार जीत

एजेंसी

दोहा। मांसपेशियों की चोट से उबरने के बाद नोवाक जोकोविच ने अपने पहले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने स्पेन के फर्नांडो वर्डास्को के साथ जोड़ी बनाकर कतर ओपन के युगल वर्ग के पहले दौर में अलेक्जेंडर बुब्लिक और करेन खाचानोव को सीधे सेटों में 6-1, 6-1 से हराया।

यह मुकाबला महज 48 मिनट तक चला, जिसमें 41 वर्षीय वर्डास्को और 37 वर्षीय जोकोविच की जोड़ी पूरी तरह हावी रही। वर्डास्को इस टूर्नामेंट के बाद संन्यास लेने वाले हैं, और यह जीत उनके करियर के अंतिम चरण में एक खास उपलब्धि रही। जोकोविच को पिछले महीने ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ खेलते हुए बाएं पैर की मांसपेशियों

में चोट लग गई थी, जिसके कारण उन्हें मैच से रिटायर होना पड़ा था। अब पूरी तरह फिट होकर कोर्ट पर वापसी करने वाले जोकोविच और वर्डास्को का अगला मुकाबला दूसरी वरीयता प्राप्त ब्रिटिश-फिनिश जोड़ी हेनरी पैटन और हैरी हेलियोवारा से होगा।

यूपी ग्रेस व पंजाब की राउंडग्लास हॉकी अकादमी सेमी फाइनल में

एजेंसी

लखनऊ। पिछली विजेता राउंडग्लास हॉकी अकादमी (पंजाब) और मेजबान यूपी ग्रेस ने 35वीं ऑल इंडिया केडी सिंह बाबू सब-जूनियर (अंडर-14) प्राइज़मनी हॉकी टूर्नामेंट में शानदार जीत हासिल करते हुए सेमी फाइनल में स्थान सुरक्षित किया। क्वार्टर फाइनल में राउंडग्लास हॉकी अकादमी (पंजाब) ने मनमोहन सिंह हॉकी अकादमी को 7-1 से और मेजबान यूपी ग्रेस ने ऋतु रानी हॉकी अकादमी पंजाब को 1-0 से हराया। केडी सिंह बाबू स्मारक सोसायटी के तत्वावधान में गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज के ध्यानचंद एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में आयोजित टूर्नामेंट में क्वार्टर फाइनल में पी ग्रेस ने अबु हुजैफा के एकमात्र गोल से जीत दर्ज की। अबु हुजैफा ने यह गोल आठवें मिनट में मिले पेनाल्टी कार्नर पर दागा। हालांकि दोनों ही टीमों ने एक-दूसरे के खिलाफ मैदानी गोल दागने की कई कोशिशें कीं लेकिन

आला दर्जे के डिफेंस के चलते गोल करने में नाकाम रही। पहले क्वार्टर फाइनल में राउंडग्लास हॉकी अकादमी (पंजाब) ने गुरमानवदीप सिंह की हैट्रिक सहित आक्रामक अंदाज के सहारे मनमोहन सिंह हॉकी अकादमी के खिलाफ 7-1 से जीत दर्ज की। राउंडग्लास से गुरमानवदीप सिंह ने 13वें मिनट में मिले पेनाल्टी कार्नर को गोल में तब्दील करते हुए शुरुआती गोल दागा। जवाब में एमएम सिंह अकादमी से हर्ष ने 18वें मिनट में मिले पेनाल्टी कार्नर से बराबरी का गोल दागा। हालांकि राउंडग्लास हॉकी अकादमी की टीम ने जल्द वापसी की और गुरमानवदीप सिंह ने 23वें मिनट में अपना व टीम का दूसरा गोल करते हुए टीम को दूसरे क्वार्टर में 2-1 की बढ़त दिला दी। उन्होंने 34वें मिनट में अपना तीसरा गोल दागते हुए हैट्रिक पूरी की। इसके एक मिनट बाद ही रणवीर सिंह ने प्रतिद्वंद्वी गोल कीपर को छकाते हुए 35वें मिनट में शानदार गोल दागा। फिर हरकीरत सिंह ने 39वें मिनट में और चौथे क्वार्टर में निशांत तंवर ने 56वें व मानवीर सिंह ने 58वें मिनट में दमदार मैदानी गोल दाग टीम की बढ़त 7-1 कर दी जो अंत तक कायम रही। अन्य क्वार्टर फाइनल में नवल टाटा ओडिशा ने फ्लिकर ब्रदर्स हरियाणा को 8-2 से और राजस्थान ने टीडब्ल्यूसी मणिपुर को 5-4 से मात दी। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मैच अब 19 फरवरी को खेले जाएंगे। उसमें पहले सेमीफाइनल में राउंडग्लास हॉकी अकादमी (पंजाब) बनाम नवल टाटा ओडिशा और दूसरे सेमीफाइनल मे यूपी ग्रेस बनाम राजस्थान का मुकाबला होगा।

चेन्नई में 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का भव्य आगाज

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की भव्य शुरुआत हुई। तमिलनाडु सरकार के समर्थन से आयोजित इस ऐतिहासिक आयोजन का समापन 20 फरवरी को होगा।इस चैंपियनशिप में देशभर से 1,476 पैरा-एथलीटों ने भाग लिया है, जो 30 टीमों के तहत 155 स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इस इवेंट को देश की सबसे बड़ी पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में से एक माना जा रहा है।

प्रतियोगिता में देश के शीर्ष पैरा-एथलीटों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है, जिनमें टोक्यो पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता सुमित अंतिल (भाला फेंक स्न64), मरियप्पन थंगावेलु (ऊंची कूद ञ्च63) और नवदीप सिंह (भाला फेंक स्न41) जैसे दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। यह आयोजन भारतीय पैरालंपिक समिति और तमिलनाडु पैरालंपिक स्पोर्ट्स एसोसिएशन (TNPS) के संयुक्त प्रयासों से हो रहा है। PCI अध्यक्ष देवेन्द्र झाझरिया ने इस चैंपियनशिप को भारतीय पैरा एथलेटिक्स के लिए एक नया मील का पत्थर बताते हुए कहा,

चेन्नई में यह चैंपियनशिप पैरा खेलों के लिए नए मानक स्थापित करेगी। 155 स्पर्धाओं में 1,476 एथलीटों की प्रतिस्पर्धा यह दर्शाती है कि भारत में पैरा खेलों की लोकप्रियता और प्रतिस्पर्धात्मकता तेजी से बढ़ रही है। विश्व स्तरीय सुविधाओं और समावेशिता की प्रतिबद्धता के साथ, हम भारतीय पैरा एथलेटिक्स के एक नए युग की ओर बढ़ रहे हैं। चैंपियनशिप के सफल आयोजन में तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आयोजकों को उम्मीद है कि यह इवेंट देश में पैरा स्पोर्ट्स को और मजबूत करेगा और भविष्य के अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए नए सितारों को तैयार करेगा।

ला लीगा: बार्सिलोना विवादास्पद जीत के साथ ला लीगा में शीर्ष पर लौटा

एजेंसी

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना ने सोमवार रात को रेयो वैलेकैनो पर 1-0 की संकीर्ण और विवादास्पद जीत के साथ ला लीगा के शीर्ष स्थान पर वापसी की। बार्सा के लिए एकमात्र गोल रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने पेनल्टी के जरिए किया, लेकिन मैच में कई विवादास्पद फैसले देखने को मिले, जिनमें रेयो की पेनल्टी अपील की अनदेखी और एक संदिग्ध ऑफसाइड के चलते उनका गोल खारिज किया जाना शामिल था।

लेवांडोव्स्की ने पेनल्टी से दिलाई बढ़त

पहले हाफ में बार्सिलोना ने अधिक आक्रमण किए, जिसमें लेवांडोव्स्की और रफिन्हा के प्रयास गोल में तब्दील नहीं हो सके। हालांकि, 27वें मिनट में बार्सा को पेनल्टी मिली, जब रेयो के पाथे सिस को इनिगो मार्टिनेज को रोकने के लिए दोषी ठहराया गया। रेयो के

गोलकीपर ऑगस्टो बटाला ने गेंद को पकड़ लिया था, लेकिन रेफरी मेलेरो लोपेज़ ने फाउल करार देते हुए पेनल्टी दी, जिसे लेवांडोव्स्की ने गोल में बदलकर बार्सा को बढ़त दिला दी। मैच में रेयो के खिलाड़ियों ने रेफरी के फैसलों पर नाराजगी जताई। पेनल्टी से पहले अब्दुल मुमिन पर हेक्टर फोर्ट के स्पष्ट शर्ट-पुल को नजरअंदाज कर दिया गया। वहीं, पहले हाफ के अंत में जॉर्ज डे फ्रुटोस का गोल ऑफसाइड करार देकर खारिज कर दिया गया, जबकि रिप्ले में दिखा कि रैंडी एनकेटा, जिन्हें ऑफसाइड बताया गया था, गोल में कोई भूमिका नहीं निभा रहे थे।

दूसरे हाफ में रोमांच और रेयो की कोशिशें नाकाम

दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। रेयो के लिए वोज्शिएक स्ज़ेसनी ने शानदार बचाव किए, जबकि बार्सा के दानी ओलमो का प्रयास भी गोलकीपर बटाला के शानदार बचाव के कारण नाकाम रहा। चोट समय में जॉर्ज डे फ्रुटोस के पास बराबरी का मौका था, लेकिन वह एड्रियन एम्बार्बा के क्रॉस को सही ढंग से हेडर में बदलने में नाकाम रहे। इस जीत के साथ बार्सिलोना गोल अंतर के आधार पर ला लीगा तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया, जबकि रेयो की नौ मैचों से चली आ रही अजेय लय टूट गई।

एफआईएच प्रो लीग 2024-25 :जर्मनी से भिड़ने को तैयार भारतीय पुरुष हॉकी टीम

भुवनेश्वर। एफआईएच प्रो लीग 2024-25 अभियान में मिली-जुली शुरुआत के बाद कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम यहां कलिंगा हॉकी स्टेडियम में अपने आगामी मैचों में जर्मनी से भिड़ने को तैयार है।

अपने पहले मैच में स्पेन से 3-1 से हारने के बाद दूसरे मैच में 2-0 की शानदार जीत के साथ वापसी करने के बाद भारतीय टीम जर्मन टीम के खिलाफ अपनी जीत की लय को जारी रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम पहले 18 फरवरी को और फिर 19 फरवरी को जर्मनी के खिलाफ खेलेगी। फिलहाल दो मैचों में तीन अंक लेकर भारतीय टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर है और इन मैचों में जीत के साथ आगे बढ़ने की कोशिश करेगा।

ला लीगा: रियल वलाडोलिड ने कोच डिएगो कोका को बर्खास्त किया, अल्वारो रुबियो बने नए कोच

एजेंसी

मैड्रिड। स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में संघर्ष कर रहे क्लब रियल वलाडोलिड ने मुख्य कोच डिएगो कोका को बर्खास्त कर दिया। उनकी जगह क्लब की बी-टीम के कोच और पूर्व खिलाड़ी अल्वारो रुबियो को नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। यह फैसला वलाडोलिड की सेविला के खिलाफ 0-4 की करारी हार के 24 घंटे बाद आया। इस हार के बाद टीम 24 मैचों में केवल 15 अंकों के साथ तालिका में सबसे निचले स्थान पर पहुंच गई है।कोका का कार्यकाल सिर्फ आठ मैचों तक चला अर्जेंटीना के कोच डिएगो कोका ने यूरोप में पहली बार कोचिंग की थी। उन्हें 1 दिसंबर को पाउलो पेज़ोलानो की जगह नियुक्त किया गया था, लेकिन उनके कार्यकाल में टीम ने आठ मैचों में सिर्फ एक जीत दर्ज की। वलाडोलिड ने ला लीगा के सात मैचों में सिर्फ

तीन अंक जुटाए और कोपा डेल रे में तीसरे स्तर की टीम ऑरेन्से के खिलाफ हार का सामना किया। कोका की एकमात्र जीत 11 जनवरी को रियल बेटिस के खिलाफ आई थी। रविवार को सेविला के खिलाफ मिली करारी हार के बाद कोका ने अपनी निराशा जाहिर करते हुए कहा था, मैं माफी मांगता हूं, जो कुछ मैदान पर हुआ, उससे मैं शर्मिंदा हूं। हमने टीम को सही दिशा देने की कोशिश की, लेकिन 0-4 की हार के बाद कोई बहाना नहीं बचता। मैं इस नतीजे की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं। क्लब ने आधिकारिक बयान में कहा, हम कोका और उनके तकनीकी स्टाफ को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद देते हैं और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं। रुबियो ने पहले भी टीम की कमान संभाली थी नए कोच अल्वारो रुबियो इससे पहले भी पाउलो पेज़ोलानो की बर्खास्तगी और कोका की नियुक्ति के बीच टीम की अस्थायी रूप से कमान संभाल चुके हैं। तब उनके नेतृत्व में वलाडोलिड ने दो जीत और एक हार दर्ज की थी।

केन विलियमसन ने मिडलसेक्स के साथ किया दो साल का करार, टी20 ब्लास्ट और काउंटी चैम्पियनशिप में खेलेंगे

लंदन। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने इंग्लिश काउंटी क्लब मिडलसेक्स के साथ दो साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। वह 2025 इंग्लिश समर के दौरान क्लब के लिए टी20 ब्लास्ट और काउंटी चैम्पियनशिप में खेलते नजर आएंगे। यह इंग्लैंड में विलियमसन का तीसरा काउंटी कार्यकाल होगा। इससे पहले उन्होंने 2011-12 में ग्लॉस्टरशायर और 2013-2018 के बीच यॉर्कशायर का प्रतिनिधित्व किया था।

मिडलसेक्स के लिए कब खेलेंगे विलियमसन?

विलियमसन टी20 ब्लास्ट के 14 ग्रुप मुकाबलों में से कम से कम 10 के लिए उपलब्ध रहेंगे। इसके अलावा, वह सीजन के दूसरे भाग में कम से कम पांच काउंटी चैम्पियनशिप मैचों में भी हिस्सा लेंगे। इसके अलावा, न्यूजीलैंड का यह अनुभवी बल्लेबाज मई से सितंबर तक 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट में लंदन स्पिरिट के लिए भी खेलते नजर आएगा।

मिडलसेक्स ने 2024 काउंटी चैम्पियनशिप के डिवीजन दो में तीसरा स्थान हासिल किया था। क्लब की निगाहें अब डिवीजन-1 में प्रमोशन पर होंगी। वहीं, विटैलिटी टी20 ब्लास्ट में उनका प्रदर्शन खराब रहा, जहां वे साउथ ग्रुप की नौ टीमों में से आठवें स्थान पर रहे थे।

विलियमसन ने क्या कहा?

मिडलसेक्स के साथ करार पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए विलियमसन ने कहा, मैंने अतीत में कुछ काउंटी क्रिकेट खेला है, लेकिन अब कई वर्षों से नहीं। जब मिडलसेक्स का यह अवसर आया, तो यह वास्तव में रोमांचक था। क्रिकेट के घर लॉर्ड्स में खेलना मेरे लिए खास रहेगा। मिडलसेक्स के क्रिकेट निदेशक एलन कोलमैन ने विलियमसन के आगमन को क्लब के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा,हम इस गर्मी में केन के मिडलसेक्स से जुड़ने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। वह हमारे टी20 ब्लास्ट और चैम्पियनशिप अभियानों में सकारात्मक प्रभाव डालेंगे। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक को टीम में शामिल करना हमारे लिए बड़ी सफलता है।

मिडलसेक्स की उम्मीदें बढ़ीं

केन विलियमसन की मौजूदगी से मिडलसेक्स को न केवल काउंटी चैम्पियनशिप में प्रमोशन की उम्मीद होगी, बल्कि टी20 ब्लास्ट में भी बेहतर प्रदर्शन की संभावना बढ़ेगी। अब देखना होगा कि न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज इंग्लिश समर में अपने अनुभव से टीम को किस ऊंचाई तक पहुंचाते हैं।

यूनिटी बैंक ने मध्यप्रदेश में अपना विस्तार किया

भोपाल। नये जमाने की बैंक यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (यूनिटी बैंक) ने भारत के दिल, यानि मध्यप्रदेश में अपनी उपस्थिति को बढ़ाया है। इसके तहत बैंक ने भोपाल में 2 नई शाखाओं का उद्घाटन किया है। यूनिटी बैंक का यह विस्तार राज्य में व्यवसाय के लिये बढ़ रहे अवसरों का लाभ उठाने के लिये हुआ है। इसमें ग्राहकों को जमा राशि पर आकर्षक ब्याज दरें और उद्यमियों तथा आम लोगों को तैयार वित्तीय समाधानों की पेशकश की जायेगी।यूनिटी बैंक वरिष्ठ नागरिकों के लिये 9.50फीसदी प्रतिवर्ष की आकर्षक दर पर सावधि जमा की पेशकश करती है, जबकि दूसरे निवेशक 9.00फीसदी प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अर्जित कर सकते हैं। यूनिटी बैंक बचत खातों के लिये 7.50फीसदी प्रतिवर्ष, 5 लाख रूपये से ज्यादा की शेषराशि पर ....और 1 लाख रुपये अधिक तथा 5 लाख रुपये तक के जमा शेष पर 7.25फीसदी प्रतिवर्ष ब्याज देती है (मासिक भुगतान)। इसके अलावा, चुनिंदा शाखाओं में प्रतिस्पर्द्धी दरों पर लॉकर्स भी उपलब्ध हैं।यूनिट बैंक के भोपाल में आने का लक्ष?य है वहाँ बढ़ रहे व्यवसाय के अवसरों का लाभ उठाना। ग्राहकों को जमाराशि पर आकर्षक ब्याज दरें देना, एसएमई और एमएसएमई को बिजनेस लोन देना तथा इससे महत्वपूर्ण, मध्यप्रदेश के नागरिकों को ज्यादा स्मार्ट, तेज और सशक्त बैंक के साथ बैंकिंग करने का मौका देना भी उसका लक्ष्य है।

आरबी-आईओएस 2021 के नाम से लोकपाल शब्द हटाया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की आरबी-आईओएस 2021 को अब हिन्दी में एकीकृत लोकपाल योजना - 2021 की जगह रिजर्व बैंक एकीकृत ऑम्बड्समैन योजना - 2021 के नाम से जाना जाएगा। नाम में ये परिवर्तन किसी भी तरह के भ्रम का निवारण करने के लिए किया गया है। इस संबंध में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विनियमित संस्थाओं द्वारा दी जाने वाली सेवाओं में कमी से संबंधित ग्राहकों की शिकायतों के मुफ्त समाधान के लिए 2021 में आरबीआई ने आरबी-आईओएस 2021 की शुरुआत की थी। योजना की शुरुआत होने के बाद इसे हिंदी में रिजर्व बैंक-एकीकृत लोकपाल योजना 2021 का नाम दिया गया।

हालांकि लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम 2013 सार्वजनिक क्षेत्र में काम करने वाले पदाधिकारी के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करने और उससे जुड़े या उसके आनुषांगिक मामलों के लिए केंद्र में लोकपाल और राज्यों में लोकायुक्त निकाय बनाने का प्रावधान करता है। इस अधिनियम में लोकपाल शब्द का प्रयोग विशेष रूप से 2013 के अधिनियम की धारा 3 के तहत स्थापित होने वाले निकाय के लिए किया जाता है। इस तरह भारतीय रिजर्व बैंक की योजना में लोकपाल शब्द का प्रयोग लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम 2013 के प्रावधानों के विपरीत है, क्योंकि अधिनियम में लोकपाल का अर्थ स्थापित निकाय से है, जबकि आरबीआई की लोकपाल योजना में व्यक्ति विशेष को ये दर्जा दिया गया था। इसलिए लोकपाल शब्द को लेकर बने भ्रम का निवारण करने के लिए इस मामले को रिजर्व बैंक के सामने रखा गया, ताकि इसमें सुधार किया जा सके। इसके बाद रिजर्व बैंक में आरबी-आईओएस 2021 के हिंदी संस्करण में लोकपाल शब्द को ऑम्बड्समैन शब्द से बदल दिया है।

भारत की चिकित्सा प्रणाली और सामाजिक नीतियों में अमेरिकी हस्तक्षेप चिंताजनक: सान्याल

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने कहा है कि भारतीय चुनावों में यूएस एड के हस्तक्षेप के बारे में चिंतित लोगों को भारत की चिकित्सा प्रणाली और सामाजिक नीतियों में यूएस एड के हस्तक्षेप के बारे में भी उतना ही चिंतित होना चाहिए। भारतीय चुनाव में अमेरिकी एजेंसियों के हस्तक्षेप पर श्री सान्याल ने 'एक्स' पर कहा, 'यूएस एड ने 1990 के दशक से लेकर दो साल पहले बंद होने तक भारत के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण को प्रभावी ढंग से चलाया। यह भारत में सबसे महत्वपूर्ण चिकित्सा डेटासेट है और स्वास्थ्य नीति को बहुत प्रभावित करता है। हम न केवल एक विदेशी एजेंसी को हमारे चिकित्सा डेटा को इकट्ठा करने की अनुमति दे रहे थे, बल्कि उन्हें सर्वेक्षण और प्रत्यक्ष विश्लेषण करने की अनुमति देकर, हम उन्हें हमारे राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रतिक्रियाओं को प्रभावित करने दे रहे थे। उन्होंने कहा कि समान तरीके से चिंताजनक रूप से राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण प्रश्नावली का अधिकांश भाग जानबूझकर कुछ सामाजिक आख्यानों का समर्थन करने के लिए बदला गया था। उदाहरण के लिए, पुरुषों के लिए प्रश्नावली केवल 29 पृष्ठों की है, लेकिन महिलाओं के लिए 94 पृष्ठों की है। बहुत से अतिरिक्त प्रश्न जानबूझकर भारतीय महिलाओं के खिलाफ अंतर-पारिवारिक हिंसा की कहानी को उभारने के लिए लिखे गए हैं। कहना होगा, बहुत चालाकी से किया गया। उन्होंने कहा, पाठकों को याद होगा कि स्वर्गीय बिबेक देबरॉय और मैंने इसका कड़ा विरोध किया था।

रुपया 17 पैसे लुढ़का

मुंबई। आयातकों एवं बैंकरों की डॉलर लिवाली बढ़ने के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 17 पैसे लुढ़ककर 86.89 रुपए प्रति डॉलर रह गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 86.72 रुपए प्रति डॉलर पर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया दो पैसे की बढ़त लेकर 86.70 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान यही इसका दिवस का उच्चतम स्तर भी रहा। वहीं, लिवाली होने से यह 86.89 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया और इसी स्तर पर बंद हुआ।

वाणिज्यिक निर्यात जनवरी में 2.4 प्रतिशत घटा

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2025 में भारत से वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात सालाना आधार पर 2.4 प्रतिशत घटकर 36.43 अरब डॉलर रहा। जनवरी 2024 में यह आंकड़ा 37.32 अरब डॉलर था। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इस साल जनवरी में वाणिज्यिक वस्तुओं का आयात बढ़कर 59.42 अरब डॉलर हो गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 53.88 अरब डॉलर था। इस तरह जनवरी में व्यापार घाटा (वस्तुओं के आयात की तुलना में निर्यात का अंतर) 22.99 अरब डॉलर रहा। जनवरी में देश से सेवाओं का निर्यात 24.31 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि के साथ अनुमानित 38.55 अरब डॉलर रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 31.01 अरब डॉलर था। इस वर्ष के पहले महीने (जनवरी 2025) में भारत का कुल निर्यात (माल और सेवाएँ) 74.97 अरब डॉलर रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी माह में यह 68.33 अरब डॉलर था। इस प्रकार वर्ष-दर-वर्ष 9.71 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल-जनवरी के दौरान वैश्विक स्तर पर चुनौतीपूर्ण माहौल में देश के निर्यात क्षेत्र के प्रदर्शन पर संतोष प्रकट करते हुए कहा कि यदि गैर पेट्रोलियम निर्यात को देखें तो प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है। श्री बर्थवाल ने कहा, अप्रैल-जनवरी के दौरान देश से वाणिज्यिक वस्तुओं के निर्यात में 7.21 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

जनवरी तक निर्यात में 7.21 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान, इलेक्ट्रॉनिक निर्यात में 78.97 प्रतिशत की बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। मौजूदा वित्त वर्ष में जनवरी के महीने तक भारत से होने वाले कुल निर्यात में 7.21 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने का अनुमान है। इस वित्त वर्ष में अप्रैल 2024 से जनवरी 2025 के बीच कुल 682.59 बिलियन डॉलर का निर्यात होने का अनुमान लगाया है। इसके पहले पिछले वित्त वर्ष में इसी अवधि में कुल 636.69 बिलियन डॉलर का निर्यात किया गया था। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार अप्रैल से जनवरी की अवधि में व्यापारिक निर्यात का संचयी मूल्य 358.91 अरब डॉलर था, जबकि पिछले वित्त वर्ष के दौरान इसी अवधि में ये निर्यात 353.97 अरब डॉलर था। इस तरह इस वित्त वर्ष में समान अवधि मे व्यापारिक निर्यात के संचयी मूल्य में 1.39 प्रतिशत की सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। गैर पेट्रोलियम निर्यात जनवरी 2025 में 32.86 अरब अमेरिकी डॉलर दर्ज किया गया। जबकि जनवरी 2024 में 28.71 अरब डॉलर का गैर पेट्रोलियम निर्यात हुआ था। इस तरह गैर पेट्रोलियम निर्यात में तुलनात्मक रूप से 14.47 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसी तरह अप्रैल 2024

से जनवरी 2025 की अवधि में 305.84 अरब डॉलर मूल्य का संचयी गैर-पेट्रोलियम निर्यात रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष में इसी अवधि के दौरान 283.45 अरब डॉलर का निर्यात हुआ था। इस तरह इस अवधि में गैर पेट्रोलियम निर्यात में तुलनात्मक रूप से 7.90 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार गैर पेट्रोलियम, गैर रत्न और आभूषण निर्यात जनवरी 2024 के 26.12 अरब डॉलर से बढ़कर जनवरी 2025 में 29.87 अरब डॉलर हो गया। इसमें तुलनात्मक रूप से 14.33 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसी तरह इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का निर्यात जनवरी 2024 में 2.29 अरब डॉलर से 78.97 प्रतिशत बढ़कर जनवरी 2025 में 4.11 अरब डॉलर हो गया। इसके अलावा इंजीनियरिंग सामान का निर्यात जनवरी 2024 के 8.77 अरब डॉलर से 7.44 प्रतिशत बढ़कर जनवरी 2025 में 9.42 अरब डॉलर हो गया।

थमी नहीं एफपीआई की बिकवाली, फरवरी में हुई 21,272 करोड़ रुपये की निकासी

एजेंसी

नई दिल्ली। इस्पात मंत्रालय ने बेंगलुरु के होटल ताज वेस्ट एंड में भारत के इस्पात क्षेत्र के भविष्य पर केंद्रित एक दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले सीपीएसई के नेता प्रमुख उद्योग विषयों पर विचार-विमर्श करने और आगे की राह तैयार करने के लिए एकत्रित हुए। इस कार्यक्रम में इस्पात और भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी वर्चुअली और इस्पात और भारी उद्योग राज्यमंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस्पात मंत्रालय के सचिव संदीप पौंड्रिक और सीपीएसई प्रमुखों ने भी भाग लिया, जिससे उद्योग के विकास के प्रति एकीकृत दृष्टिकोण को बल मिला। उद्घाटन समारोह के बाद लौह अयस्क उपयोग, राष्ट्रीय इस्पात नीति 2025, विशेष इस्पात, तथा परिचालन दक्षता और लागत में कमी के लिए रणनीतियों पर महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए गए। आकर्षक चर्चाओं ने सभी उपस्थित लोगों की सक्रिय भागीदारी को संभव बनाया। भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा ने राष्ट्रीय इस्पात नीति के लक्ष्यों के साथ

तालमेल बिठाने पर जोर देते हुए कहा, आइए हम 2030 तक 300 मीट्रिक टन इस्पात उत्पादन क्षमता प्राप्त करके आत्मनिर्भर भारत की दिशा में काम करें। इस्पात आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है और हमें घरेलू उत्पादन बढ़ाने, लौह अयस्क संसाधनों का अनुकूलन करने और प्रमुख क्षेत्रों के लिए विशेष इस्पात का उत्पादन करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। संदीप पौंड्रिक ने उद्योग उत्कृष्टता, आत्म-चिंतन और निरंतर सीखने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ÷यह मंच परिचालन दक्षता बढ़ाने और नवाचार को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करता है, जिससे टिकाऊ और प्रभावशाली विकास सुनिश्चित होता है। इस आयोजन का एक मुख्य आकर्षण इंडिया स्टील 2025 के लिए आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ था, जो 24-26 अप्रैल 2025 तक आयोजित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, सीपीएसई के 35 युवा प्रबंधकों को भविष्य के उद्योग के नेताओं के रूप में पेश किया गया।

कैम्पा बना आईपीएल का 'को-पावर्ड स्पॉन्सर', जियोस्टार से मिलाया हाथ

बेंगलुरु। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) के ब्रांड कैम्पा ने जियोस्टार के साथ साझेदारी की है। आईपीएल 2025 में कैम्पा, टीवी और डिजिटल दोनों प्लेटफॉर्म के लिए 'को-पावर्ड स्पॉन्सर' होगा। बताते चलें कि देश में सबसे ज्यादा देखे जाना वाले स्पोर्ट्स इवेंट आईपीएल का प्रसारण जियोस्टार पर होगा। साझेदारी में स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क की क्षेत्रीय भाषाओं के प्रसारण को भी जोड़ा गया है। जो कैम्पा ब्रांड की पहुंच को बढ़ाने की गारंटी साबित होगा। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के सीओओ केतन मोदी ने कहा, आईपीएल के लिए जियोस्टार के साथ हमारी साझेदारी क्रिकेट के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है। टीवी और डिजिटल पर 'को-पावर्ड स्पॉन्सरशिप'हासिल करके, हम भारत के सबसे बड़े प्लेटफॉर्म पर अपनी उपस्थिति बढ़ा रहे हैं। इस सहयोग से कैम्पा की पहुंच बढ़ेगी। साथ ही यह लाखों क्रिकेट प्रशंसकों के साथ सीधे जुड़ने का एक अवसर भी देगा। जियोस्टार के बिजनेस हेड, स्पोर्ट्स रेवेन्यू, ईशान चटर्जी ने कहा,हम आईपीएल के लिए एक प्रमुख प्रायोजक के रूप में कैम्पा का स्वागत करते हुए उत्साहित हैं। यह साझेदारी देश के सबसे बड़े क्रिकेट आयोजन के दौरान हमारी साझा प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगी। जियोस्टार की बेजोड़ पहुंच और पेय पदार्थ के क्षेत्र में कैम्पा की मजबूत पकड़ के साथ, हम भारत में लाखों प्रशंसकों को एकसाथ जोड़ेंगे। पिछले दो वर्षों में बीसीसीआई और आईपीएल की कई टीमों के साथ भागीदार करके कैम्पा ने क्रिकेट इको सिस्टम में पहले ही अपनी पैठ बना ली है।

देश में सतत विकास लक्ष्यों के लिए नागरिक-जनित डेटा के बारे में जागरुकता बढ़ाने पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने नागरिक-जनित डेटा का उपयोग करने के लिए अपनी चल रही पहलों के हिस्से के रूप में यहां भारत में सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के लिए नागरिक-जनित डेटा (सीजीडी) का लाभ उठाने पर एक कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला का उद्देश्य डेटा अंतराल को संबोधित करने और राष्ट्रीय सांख्यिकीय परिदृश्य में समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए एक मूल्यवान उपकरण के रूप में सीजीडी के बारे में जागरुकता और समझ को बढ़ाना है। इसने भारतीय संदर्भ में सीजीडी पर कोपेनहेगन फ्रेमवर्क की प्रासंगिकता पर चर्चा करने और देश की सांख्यिकीय प्रणाली के भीतर इसके संभावित अनुकूलन का पता लगाने के लिए एक मंच प्रदान किया। चर्चा में डेटा पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव डॉ. सौरभ गर्ग ने किया। इसमें लगभग 75 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें केंद्रीय मंत्रालयों, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, साथ ही संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों और नागरिक समाज संगठनों के प्रतिनिधि शामिल थे। डॉ. गर्ग ने अपने उद्घाटन भाषण में आधिकारिक सांख्यिकी के एक मूल्यवान पूरक के रूप में नागरिक-जनित डेटा के महत्व पर जोर दिया, जो डेटा अंतराल को पाटने और समावेशिता को बढ़ावा देने में मदद करता है। उन्होंने भारत की सांख्यिकीय प्रणाली में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की महत्वपूर्ण भूमिका और एसडीजी निगरानी और रिपोर्टिंग में सीजीडी को एकीकृत करने की संभावना तलाशने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत पहले से ही सहभागी नियोजन प्रक्रियाओं, सामाजिक लेखा परीक्षा और केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली में लगा हुआ है, ये सभी पहल सरकार के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं। यह एसडीजी के 'कोई भी पीछे न छूटे' के सिद्धांत के अनुरूप है। इसके अलावा इन प्रयासों को एक व्यापक ढांचे के माध्यम से बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने डेटा में नागरिक योगदान की पूरी क्षमता को उजागर करने में शामिल विभिन्न चुनौतियों को रेखांकित किया जैसे कि व्यक्तिपरकता, प्रतिनिधित्व, गोपनीयता और सुरक्षा, मापनीयता, स्थिरता आदि। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के महानिदेशक एनके संतोषी ने अपने स्वागत भाषण में एसडीजी निगरानी के लिए व्यापक डेटा आवश्यकताओं और बारीक अंतर्दृष्टि की आवश्यकता को संबोधित करने के लिए मंत्रालय के प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय गैर-पारंपरिक डेटा स्रोतों, जैसे कि नागरिक-जनित डेटा, भू-स्थानिक जानकारी और अन्य नवीन दृष्टिकोणों की खोज कर रहा है। ताकि आधिकारिक सांख्यिकी को पूरक बनाया जा सके और विभिन्न प्रशासनिक स्तरों पर एसडीजी प्रगति की ट्रैकिंग को मजबूत किया जा सके।

स्टॉक मार्केट में चंदन हेल्थकेयर की धांसू एंट्री, पहले ही दिन लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। नॉर्थ इंडिया में डायग्नोस्टिक सेंटर्स चलाने वाली कंपनी चंदन हेल्थकेयर ने आज घरेलू शेयर बाजार में जोरदार एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 159 रुपये के भाव पर जारी हुए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 3.84 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 165.10 रुपए के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद कंपनी के शेयर खरीदारी के सपोर्ट से उछल कर 173.35 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 9.03 प्रतिशत का मुनाफा हो गया।चंदन हेल्थकेयर का 107.36 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 से 12 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से ठीक ठाक रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 7.04 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 7.58 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 18.85 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.44 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 70.79 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं।

इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 22,99,936 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी लखनऊ में नया फ्लैगशिप डायग्नोस्टिक सेंटर लगाने, अयोध्या और लखनऊ में नया सेंट्रल रिफरेंस लैबोरेट्री सेटअप करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कतर के अमीर की यात्रा पर आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए भारत-कतर संयुक्त व्यापार मंच तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली।भारत और कतर मंगलवार को यहां होने वाले भारत-कतर संयुक्त व्यापार मंच के साथ अपने आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के लिए तैयार हैं। संयुक्त व्यापार मंच का आयोजन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सहयोग से किया जाएगा। यह निवेश के अवसरों, तकनीकी सहयोग और आर्थिक साझेदारी का पता लगाने के लिए शीर्ष व्यापारिक प्रतिनिधियों, नीति निर्माताओं और उद्योग हितधारकों को एक मंच पर लाएगा। यह कार्यक्रम कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी की 17-18 फरवरी, 2025 की भारत यात्रा

के अवसर पर हो रहा है। कतर के वाणिज्य और उद्योग मंत्री शेख फैजल बिन थानी बिन फैजल अल थानी और भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व्यापार मंच के कार्यक्रम में मुख्य भाषण देंगे। कतर के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल में ऊर्जा, बुनियादी ढांचे, वित्त, प्रौद्योगिकी, खाद्य सुरक्षा, रसद, उन्नत विनिर्माण और नवाचार क्षेत्र के अग्रणी उद्यमी शामिल हैं। फोरम में विभिन्न विषयों पर चर्चाएं होंगी। इनमें भारत और कतर के बीच दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी बनाने के माध्यम के रूप में निवेश, रसद, उन्नत विनिर्माण और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग करना और दक्षताओं का लाभ उठाना, भविष्य के क्षेत्रों (एआई, नवाचार, स्थिरता आदि) में सहयोग को बढ़ावा देना और मजबूत करना प्रमुख हैं। ये चर्चाएं भारतीय और कतर के व्यवसायियों को संयुक्त उद्यम, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई), प्रौद्योगिकी साझेदारी और नीति-संचालित सहयोग का पता लगाने में सक्षम बनाएंगी। दोनों सरकारों और उद्योग जगत के अग्रणी के प्रतिनिधि दूरदर्शी व्यापार और निवेश ढांचे को आकार देने में योगदान देंगे।

अजाक्स इंजीनियरिंग की स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री, पहले ही दिन निवेशकों को हुआ नुकसान

एजेंसी

नई दिल्ली। कंक्रीट से जुड़े इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनी अजाक्स इंजीनियरिंग के शेयरों ने अपने आईपीओ निवेशकों को करारा झटका दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 629 रुपये के भाव पर जारी हुए थे। आज बीएसई पर इसकी 593 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 576 रुपये के स्तर पर लिस्टिंग हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद दिनभर इसमें उतार-चढ़ाव होता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 5.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 595.40 रुपये के स्तर पर बंद हुए। अजाक्स इंजीनियरिंग का 1,269.35 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 से 12 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 6.06 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 13.04 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 6.46 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.94 गुना और एम्पलाइज कैलिबरियम पोर्शन 2.62 गुना सब्सक्राइब हुए थे। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 2,01,80,446 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं। इसमें कोई नया शेयर जारी नहीं किया गया है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 66.21 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 135.90 करोड़ और 2023-24 में 225.15 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 51 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर से बढ़ कर 1,780.07 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2024 के बीच कंपनी को 181.02 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 794.16 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

'शिक्षा मंदिर' निर्माण के लिए अडानी परिवार ने दिया दो हजार करोड़ का दान

नई दिल्ली। अडानी परिवार ने पूरे देश में विश्वस्तरीय शिक्षा और सीखने के बुनियादी ढांचे के बनाने के उद्देश्य से दो हजार करोड़ रुपये दान करने की घोषणा की है। इसके लिए अडानी फाउंडेशन ने देश भर में शिक्षा के मंदिर स्थापित करने के लिए निजी के-12 शिक्षा में वैश्विक अग्रणी जेईएमएस एजुकेशन के साथ सहयोग किया है।

फाउंडेशन ने आज यहां जारी बयान में कहा कि अडानी परिवार की ओर से 2,000 करोड़ रुपये के आरंभिक दान के साथ, यह साझेदारी समाज के सभी वर्गों के लोगों के लिए विश्वस्तरीय शिक्षा और सीखने के बुनियादी ढांचे को किफायती बनाने को प्राथमिकता देगी। महानगरों और टियर दो से चार शहरों में किफायती और विश्वस्तरीय स्कूल खोलने के लिए 2,000 करोड़ रुपये देने का वादा किया गया है। के-12 सेगमेंट में 20 स्कूलों का आरंभिक नेटवर्क बनाने के लिए जेईएमएस एजुकेशन के साथ सहयोग किया गया है जहां वंचित और योग्य बच्चों के लिए सीबीएसई पाठ्यक्रम में 30 प्रतिशत सीटें निःशुल्क होंगी। पहला 'अडानी जीईएमएस स्कूल ऑफ एक्सीलेंस' शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में लखनऊ में खुलेगा।

लगातार 8 दिन की गिरावट पर लगा ब्रेक, मामूली बढ़त के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीदारी के कारण दिन के दूसरे कारोबारी सत्र में घरेलू शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.08 प्रतिशत और निफ्टी 0.13 प्रतिशत की मामूली मजबूती के साथ बंद हुए। इसके पहले लगातार आठ कारोबारी दिनों तक शेयर बाजार लगातार गिरावट के साथ ही बंद हुआ था। अगर आज भी शेयर बाजार गिरावट के साथ ही बंद होता, तो ये पिछले 6 साल की सबसे लंबी गिरावट हो सकती थी। इससे पहले 30 अप्रैल से 13 मई 2019 के बीच शेयर बाजार लगातार 9 कारोबारी दिन तक गिरावट के साथ बंद हुआ था, लेकिन इस बार 5 से 14 फरवरी तक लगातार गिरावट का सामना करने के बाद आज नौवें कारोबारी दिन शेयर बाजार मामूली तेजी के साथ बंद होने में सफल रहा। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी और आईटी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसके साथ ही कैपिटल गुड्स और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर फार्मास्यूटिकल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और मेटल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसके अलावा ऑयल एंड गैस, कंज्यूमर ड्यूरेबल और बैंकिंग इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में हुई रिकवरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 20 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 400.39 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 400.19 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 20 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,219 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,336 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,738 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 145 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,637 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 901 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,736 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 35 शेयर हरे निशान में और 15 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 297.80 अंक की कमजोरी के साथ 75,641.41 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में उतार-चढ़ाव शुरू हो गया। दिन के पहले सत्र में बिकवाली का दबाव अधिक नजर आया, जिसके कारण सेंसेक्स 644.45 अंक की कमजोरी के साथ 75,294.76 अंक तक गिर गया। दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक निचले स्तर से 747.20 अंक की छलांग लगा कर 102.75 अंक की मजबूती के साथ 76,041.96 अंक तक पहुंच गया।

रूस ने आज़ोव सागर में नौवहन सुरक्षा पर यूक्रेन के साथ समझौता किया समाप्त

एजेंसी

मास्को। रूस ने आज़ोव सागर और केर्च जलडमरूमध्य में नौवहन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यूक्रेन के साथ समझौते को आधिकारिक रूप से समाप्त कर दिया है। रूस के प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्टिन की ओर से हस्ताक्षरित एक आदेश के माध्यम से इस निर्णय को औपचारिक रूप दिया गया। देश के कानूनी सूचना पोर्टल पर प्रकाशित एक आधिकारिक दस्तावेज में कहा गया,रूसी संघ के अंतरराष्ट्रीय संधियों पर संघीय कानून के अनुच्छेद के पैराग्राफ के अनुसार, 20 मार्च, 2012 को मास्को में हस्ताक्षरित अज़ोव सागर और केर्च स्ट्रेट में नौवहन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपायों पर रूसी संघ की सरकार और यूक्रेन के मंत्रियों के मंत्रिमंडल के बीच समझौता समाप्त किया जाता है। रूसी विदेश मंत्रालय को यूक्रेन को इस समझौते को समाप्ति के बारे में सूचित करने का निर्देश दिया गया है।

अमेरिका यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने में मदद कर सकता है-लावरोव

मॉस्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि लगभग तीन साल पहले लड़ाई शुरू होने के बाद से अपनी 'केंद्रीय भूमिका' का हवाला देते हुए अमेरिका यूक्रेनी संघर्ष को सुलझाने में मदद कर सकता है। लावरोव की यह टिप्पणी सऊदी अरब में मंगलवार को होने वाली अमेरिकी प्रतिनिधियों के साथ उनकी बैठक से पहले आई है। क्रेमलिन ने कहा कि दोनों पक्षों द्वारा संघर्ष को समाप्त करने के लिए बातचीत करने की उम्मीद है, जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बैठक का मार्ग प्रशस्त करेगी। लावरोव ने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं है कि यूरोपीय लोगों को बातचीत की मेज पर सीट मिलेगी, उन्होंने उन पर यूक्रेन को संघर्ष जारी रखने में सक्षम बनाने के लिए संभावित युद्धविराम का उपयोग करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

म्यांमार ने दूरसंचार धोखाधड़ी कार्रवाई में 273 अवैध विदेशी प्रवेशकों को गिरफ्तार किया

यांगून। म्यांमार के अधिकारियों ने कायिन राज्य के म्यावाडी टाउनशिप में अवैध रूप से देश में प्रवेश करने वाले 273 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। म्यांमार के राज्य प्रशासन परिषद की सूचना टीम ने यह जानकारी दी। टीम ने कहा कि उन्हें श्वे कोक्को और केके पार्क के इलाकों से गिरफ्तार किया गया। टीम ने कहा कि 30 जनवरी से सोमवार तक म्यांमार में

अवैध रूप से प्रवेश करने पर कुल 1,303 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। इसमें कहा गया है कि ये अवैध ऑनलाइन जुआ, दूरसंचार धोखाधड़ी और सीमावर्ती क्षेत्रों में अपराधों पर नकेल कसने के सरकार के प्रयासों का हिस्सा हैं।

डूबती नाव से 7 प्रवासियों को बचाया गया

ट्यूनिस। ट्यूनीशियाई नेशनल गार्ड ने घोषणा की कि ट्यूनीशिया के उत्तरी तट पर एक डूबती नाव से सात प्रवासियों को बचाया गया। नेशनल गार्ड के फेसबुक पेज पर एक बयान के अनुसार, बचाव अभियान बिज़ेरटे प्रांत में सिदी मेचरेग के तट के पास हुआ। बयान में बचाव का समय या प्रवासियों की राष्ट्रीयता निर्दिष्ट नहीं की गई। बयान में कहा गया, 'छह फरवरी को पड़ोसी देश के एक तटीय शहर से अवैध रूप से नौकायन का प्रयास करते समय उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।' बचाए गए प्रवासियों को बिज़ेर्टे के बंदरगाह पर ले जाया गया, जहां नागरिक सुरक्षा टीमों ने उन्हें आगे की चिकित्सा देखभाल के लिए क्षेत्रीय अस्पताल में स्थानांतरित करने से पहले प्राथमिक चिकित्सा प्रदान की। मध्य भूमध्य सागर में स्थित ट्यूनीशिया, यूरोप में अवैध आप्रवासन के लिए मुख्य पारगमन बिंदुओं में से एक है।

टेट बंधुओं पर यात्रा प्रतिबंध हटाने के लिए अमेरिका ने रोमानिया पर डाला दबाव

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की मांग है कि रोमानिया ब्रिटिश-अमेरिकी सोशल मीडिया व्यक्तित्व और ब्रिटेन के पूर्व किकबॉक्सर एंड्रयू टेट और उनके भाई ट्रिस्टन पर यात्रा प्रतिबंध हटा दे। जिन पर रोमानिया में मानव तस्करी और बलात्कार का आरोप है। फाइनेंशियल टाइम्स अखबार ने सूत्रों के हवाले से खबर दी है। बुखारेस्ट की एक अदालत ने 14 फरवरी को एंड्रयू टेट के मामले में घर की गिरफ्तारी को न्यायिक हिरासत से बदलने का फैसला किया। रिपोर्ट में कहा गया कि भाइयों के पासपोर्ट वापस लौटाने और मुकदमे के नतीजे का इंतजार करने के दौरान उन्हें यात्रा करने की अनुमति देने का अनुरोध दायर किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि टेट बंधुओं के मामले का पहली बार पिछले हफ्ते अमेरिकी अधिकारियों और रोमानियाई सरकार के बीच एक फोन कॉल में उल्लेख किया गया था, जिसमें कहा गया था।

ईरान से आने-जाने वाली उड़ानों पर जारी रहेगी रोक, लेबनान सरकार का फैसला

एजेंसी

बेरूत । लेबनान सरकार ने ईरान से आने-जाने वाली उड़ानों के निलंबन को बढ़ाने का फैसला किया, हालांकि विस्तार की अवधि स्पष्ट नहीं की। लेबनान के राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, यह फैसला राष्ट्रपति जोसेफ औन की अध्यक्षता में हुई मंत्रिस्तरीय बैठक में लिया गया। मीटिंग में प्रधानमंत्री, रक्षा, विदेश, आंतरिक और परिवहन मंत्री शामिल हुए।

समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बैठक में बेरूत के राफिक हरीरी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने के उपायों पर केंद्रित थी। लेबनान सरकार ने यह भी कहा कि विमान निरीक्षण के लिए सभी मौजूदा सुरक्षा प्रक्रियाएं पहले की तरह जारी रहेंगी। इसके साथ ही एयरपोर्ट की सुरक्षा के लिए जरूरी प्रोटोकॉल का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश

दिया। बता दें पिछले सप्ताह, लेबनान के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने एयर पोर्ट पर आने वाली कुछ उड़ानों के लिए अस्थायी रोक लगा दी थी जिनमें ईरान से आने वाली फ्लाइट्स भी शामिल थीं। लेबनान के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने गुरुवार को कहा था कि उसने ईरान सहित कुछ फ्लाइट्स को 18 फरवरी तक 'अस्थायी रूप से रिशेड्यूल' किया है क्योंकि वह 'अतिरिक्त सुरक्षा उपायों' को लागू कर रहा है। इजरायली सेना के प्रवक्ता अविचाय एद्राई ने ईरान के कुद्स फोर्स पर बेरूत एयरपोर्ट के जरिए सिविल फ्लाइट्स का उपयोग करके हिजबुल्लाह के लिए धन की तस्करी करने का आरोप लगाया था। इसके बाद ईरानी फ्लाइट्स को रोकने का निर्णय लिया गया। जवाब में, हिजबुल्लाह समर्थकों ने गुरुवार से शनिवार तक विरोध प्रदर्शन किया, हवाई अड्डे और बेरूत के अन्य हिस्सों की ओर जाने वाली सड़कों को ब्लॉक कर दिया। उन्होंने उड़ान प्रतिबंधों की निंदा करते हुए इसे इजरायली दबाव के आगे झुकने का कृत्य बताया। हिजबुल्लाह ने लेबनानी सरकार से इस फैसले को वापस लेने की अपील की। समूह ने अधिकारियों से लेबनान की संप्रभुता में बाहरी हस्तक्षेप के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने का आग्रह किया।

मेक्सिको सरकार ने गूगल को उनकी खाड़ी क्षेत्र का नाम परिवर्तन को लेकर दी चेतावनी

एजेंसी

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको सरकार ने गूगल को चेतावनी दी है कि अगर उसने अपने गूगल मैप पर उपयोगकर्ताओं को मेक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी किया तो वह उसके खिलाफ अदालत जाएगी। गूगल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकारी आदेश के अनुरूप उनकी खाड़ी का नाम बदलने वाला है।

मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने नेशनल पैलेस में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हम गूगल से जवाब का इंतजार करेंगे और अगर कोई जवाब नहीं आता है, तो हम कानूनी कार्रवाई करेंगे। उनके पास कोई अधिकार नहीं है। गूगल को मेक्सिको और क्यूबा के लिए प्लेटफ़ॉर्म का नाम बदलने का अधिकार नहीं है और इसी वजह से यह स्थिति पैदा हुई है। मैक्सिकन सरकार ने गूगल को लिखे एक पत्र में कहा कि मेक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी करने का श्री ट्रंप का कार्यकारी आदेश अमेरिका के क्षेत्रीय जल के भीतर या तट से 22 समुद्री मील की दूरी तक वैध है, क्योंकि इस नाम को अंतरराष्ट्रीय संगठनों और समझौतों में कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त है। सुश्री शीनबाम ने कहा, अन्य देशों के लिए, यह मेक्सिको की खाड़ी और अमेरिका के रूप में दिखाई देगा। कार्यकारी आदेश केवल महाद्वीपीय शेल्फ का नाम बदलता है, संपूर्ण खाड़ी का नहीं! यहां, गूगल मैक्सिकन और क्यूबा प्लेटफ़ॉर्म का नाम बदल रहा है। हम इससे सहमत नहीं हैं। उल्लखेनीय है कि 20 जनवरी को, अपने पदभार ग्रहण करने के पहले दिन श्री ट्रम्प ने मेक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी और अलास्का में माउंट डेनाली का नाम बदलकर माउंट मैकिन्ले करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए।

यूरोप को यूक्रेन का समर्थन जारी रखना चाहिए : जर्मन चांसलर स्कोल्ज

एजेंसी

पेरिस । जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ ने कहा कि यूरोप को यूक्रेन का समर्थन जारी रखना चाहिए साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेन पर कोई तानाशाही शांति नहीं थोपी जा सकती। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को यह भरोसा होना चाहिए कि यूरोप उसके साथ खड़ा है और उसकी मदद करता रहेगा। स्कोल्ज़ ने यह बयान एक आपातकालीन बैठक के बाद दिया, जिसे फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन ने बुलाया था। यह बैठक रूस और अमेरिका के बीच होने वाली वार्ता से पहले हुई, जिसमें यूरोपीय देशों ने अपनी रणनीति पर चर्चा की। स्कोल्ज़ ने कहा कि यूक्रेन किसी भी ऐसी शांति को स्वीकार नहीं कर सकता जो जबरदस्ती थोपी जाए।

जर्मन चांसलर ने यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका से सामूहिक सुरक्षा के लिए मिलकर कार्य करने का आग्रह किया और कहा कि नाटो की ताकत इसी में है कि सभी देश मिलकर काम करें और जोखिम साझा करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया

कि इस एकता पर कोई सवाल नहीं उठना चाहिए। जब उनसे पूछा गया कि क्या यूरोपीय देश शांति मिशन के तहत यूक्रेन में जमीनी सेना भेज सकते हैं, तो स्कोल्ज ने इसे समय से पहले बताया और कहा कि इस पर अभी चर्चा करना सही नहीं होगा। हालांकि, उन्होंने यह जरूर कहा कि यूरोपीय देश अपनी सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अपने सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम दो प्रतिशत रक्षा बजट पर खर्च करने के लिए तैयार हैं।इसके अलावा, जर्मनी इस बात का समर्थन करता है कि अगर यूरोपीय देश अपनी रक्षा पर ज्यादा खर्च करते हैं, तो इस खर्च को उनके बजट घाटे की गणना में शामिल नहीं किया जाना चाहिए। इस बैठक में नाटो और यूरोपीय कमीशन के नेताओं के साथ-साथ फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, पोलैंड, स्पेन, इटली, डेनमार्क और नीदरलैंड सहित कई यूरोपीय देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इसका मुख्य उद्देश्य रूस और अमेरिका की वार्ता से पहले एक साझा यूरोपीय प्रतिक्रिया तैयार करना था। हालांकि, इस वार्ता में न तो ब्रुसेल्स को और न ही कीव को आमंत्रित किया गया है।

नेतन्याहू ने यूएनआरडब्ल्यूए पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून को तत्काल लागू करने का दिया आदेश

एजेंसी

यरूशलम। इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने निकट पूर्व में फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून को तत्काल लागू करने का आदेश दिया है। प्रधान मंत्री कार्यालय ने यह जानकारी दी।कार्यालय ने 'एक्स' पर कहा, प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने निर्देश दिया है कि नेसेट ने व्यापक समर्थन के साथ पारित किये गये यूएनआरडब्ल्यूए कानून को तुरंत लागू किया जाए। प्रधान मंत्री के निर्देश के कार्यान्वयन पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

अक्टूबर के अंत में, इज़रायली संसद ने यूएनआरडब्ल्यूए के कुछ कर्मचारियों पर अक्टूबर 2023 के हमास हमले में शामिल होने का आरोप लगाने के बाद इज़रायल और उसके नियंत्रण वाले क्षेत्रों में यूएनआरडब्ल्यूए गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से विधेयक पारित किया। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि इज़रायल ने अपने

आरोपों को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं दिया है। इज़रायली सरकार के प्रवक्ता डेविड मेंटज़र ने 29 जनवरी को कहा कि यूएनआरडब्ल्यूए कार्यालयों को 48 घंटों के भीतर बंद कर दिया जाएगा और संयुक्त राष्ट्र सहायता एजेंसी के साथ सभी संपर्क निलंबित कर दिए जाएंगे। यूएनआरडब्ल्यूए गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून 30 जनवरी को लागू हुआ।

कनाडा के टोरंटो में यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त

एजेंसी

टोरंटो । कनाडा के टोरंटो में एक बड़ा हादसा तब टल गया जब मिनियापोलिस से आ रहा डेल्टा फ्लाइट का एक विमान लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में विमान में सवार सभी 80 यात्री चमत्कारिक रूप से बच गए।

सोमवार दोपहर को जब विमान रनवे पर उतरा, तो वह नियंत्रण खो बैठा और टकराने के बाद उसका एक विंग टूट गया। इसके बाद विमान पलट गया। इस दौरान चालक दल के सदस्यों ने सतर्कता दिखाते हुए यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद की। दुर्घटना में एक बच्चे समेत 18 लोग घायल हुए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से दो की हालत गंभीर है लेकिन उनकी जान को कोई खतरा नहीं है। दुर्घटना के वीडियो में नजर आया कि चालक दल के सदस्य यात्रियों को बर्फ से ढके हवाई क्षेत्र में विमान से बाहर निकाल रहे थे, जबकि अग्निशमन कर्मी विमान और उसके आसपास के

क्षेत्र को आग लगने से बचाने के लिए फोम से ढकने का प्रयास कर रहे थे। यह विमान कनाडा में निर्मित एम्ब्रेयर सीआरजे-900 था, जिसका संचालन डेल्टा एयरलाइंस की सहायक कंपनी एंडेवर एयर कर रही थी। यह घटना असामान्य थी, क्योंकि बड़े यात्री विमानों का इस तरह पलटना दुर्लभ माना जाता है। कनाडाई परिवहन सुरक्षा बोर्ड इस दुर्घटना की गहन जांच करेगा, जिसमें अमेरिकी संघीय उड्डयन प्रशासन और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड की भी सहायता ली जाएगी। डेल्टा एयरलाइंस के सीईओ एड बास्टियन ने एक बयान जारी कर कहा कि वे घटना के सभी विवरणों की पुष्टि करने का प्रयास कर रहे हैं और नवीनतम जानकारी उनकी आधिकारिक वेबसाइट पर साझा की जाएगी। कनाडा की मौसम सेवा के अनुसार, हादसे के वक्त हवा की रफ्तार 61 किलोमीटर प्रति घंटे थी, जिससे लैंडिंग में कठिनाई आ रही थी। विमान में सवार यात्री जॉन नेल्सन ने फेसबुक पर हादसे का वीडियो पोस्ट किया और बताया कि उनका विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, लेकिन अधिकतर यात्री सुरक्षित हैं। यह दुर्घटना हाल ही में उत्तरी अमेरिका में हुई कई विमान दुर्घटनाओं जैसी ही है। इससे पहले, 29 जनवरी को वाशिंगटन में एक सैन्य हेलीकॉप्टर ने अमेरिकन एयरलाइंस के जेट को टक्कर मार दी थी, जिससे दोनों विमान पोटोमैक नदी में गिर गए और 67 लोगों की मौत हो गई थी। 1 फरवरी को फिलाडेल्फिया में एक एयर एम्बुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें छह लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, 6 फरवरी को अलास्का में एक विमान बर्फीले जंगल में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें सभी 10 यात्रियों की मौत हो गई थी।

अमेरिकी प्रशासन ने नेपाल को दी जा रही 40 मिलियन डॉलर की सहायता रोकी

एजेंसी

काठमांडू। अमेरिकी प्रशासन ने नेपाल को विभिन्न तरीके से दी जाने वाली सहायता पर रोक लगा दी है। ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के साथ ही पहले अमेरिकी सरकार की विदेशी सहायता एजेंसी यूएसएआईडी की ओर से दिए जा रहे सहयोग पर रोक लगाई गई और अब वार्षिक रूप से दिए जाने वाले 40 मिलियन डॉलर के आर्थिक अनुदान पर भी रोक लगा दी गई है।एलन मस्क के नेतृत्व में बने डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) ने एक नोटिस जारी करते हुए नेपाल को वित्तीय सहायता के लिए दिए जाने वाले 20 मिलियन अमेरिकी डॉलर और जैविक विविधता के नाम पर दिए जाने वाले 20 मिलियन अमेरिकी डॉलर के अनुदान को तत्काल बंद कर दिया है। नेपाली रुपये में यह रकम करीब 450 करोड़ है। नोटिस में कहा गया है कि अमेरिकी जनता के टैक्स के पैसे का विदेशों में आर्थिक अनुदान देकर होने वाले दुरुपयोग को रोकने के लिए तत्काल प्रभाव से सभी आर्थिक अनुदान को रद्द किया जाता है। हालांकि, नेपाल सरकार ने अभी इस बारे में अनभिज्ञता जताई है, लेकिन डीओजीई ने अपने एक्स अकाउंट से इसकी औपचारिक जानकारी दी है। इस नोटिस के जरिए अन्य देशों के अलावा नेपाल के भी वित्तीय संघीयता और जैविक विविधता के नाम पर दिए जा रहे सहयोग को रोकने की जानकारी दी गई है। सरकार के प्रवक्ता पृथ्वी सुब्बा गुरूंग ने कहा कि सरकार के पास अब तक सिर्फ यूएसएआईडी की ओर से दी जाने वाली सभी प्रकार की सहायता को रोकने की औपचारिक जानकारी मिली है। अमेरिकी प्रशासन के इस नए आदेश के बारे में अब तक कोई भी जानकारी अमेरिकी सरकार या अमेरिकी दूतावास के तरफ से नहीं दी गई है।

सऊदी अरब में मिलेंगे रूस और अमेरिका के विदेश मंत्री, यूक्रेन संकट के समाधान पर होगी चर्चा

एजेंसी

मॉस्को। रूस ने कहा कि विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव मंगलवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो सहित शीर्ष यूएस अधिकारियों के साथ वार्ता करेंगे, जिसमें यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने और रूस-अमेरिका संबंधों के ÷संपूर्ण परिसर÷ को बहाल करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रुबियो सऊदी अरब की राजधानी रियाद पहुंचे, जो पहले से तय यात्रा थी। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज और मध्य पूर्व के दूत स्टीव विटकॉफ, भी ही पहुंचेंगे और बातचीत में शामिल होंगे।यह वार्ता रूसी और अमेरिकी अधिकारियों के बीच वर्षों में पहली उच्च स्तरीय, आमने-सामने की चर्चा होगी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि रूसी और अमेरिकी प्रतिनिधि मंगलवार को सऊदी अरब में बैठक करेंगे। उन्होंने

कहा, मुख्य रूप से रूसी-अमेरिकी संबंधों को बहाल करने पर ध्यान केंद्रित होगा साथ ही यूक्रेनी समझौते पर संभावित वार्ता की तैयारी और दोनों राष्ट्रपतियों के बीच बैठक के आयोजन पर भी विचार होगा।

हालांकि जब पेस्कोव से पूछा गया कि क्या पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस महीने के अंत में सऊदी अरब में आमने-सामने मुलाकात करेंगे, तो उन्होंने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। पेस्कोव ने कहा कि रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और रूसी राष्ट्रपति के सहायक यूरी उशाकोव रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ओर से रियाद के लिए रवाना होंगे। उन्होंने कहा कि वे मंगलवार को अमेरिकी प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे।पेस्कोव ने कहा कि लावरोव और उशाकोव बातचीत के नतीजों के बारे में पुतिन को जानकारी देंगे।

पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 12 फरवरी को टेलीफोन पर बातचीत की, जिसके दौरान दोनों नेताओं ने भविष्य में एक बैठक सहित व्यक्तिगत संपर्क बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की। रुबियो, ने शनिवार को अपने रूसी समकक्ष विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से फोन पर बात की। उन्होंने रविवार को कहा कि आने वाले सप्ताह और दिन यह निर्धारित करेंगे कि पुतिन शांति स्थापित करने के लिए गंभीर हैं या नहीं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की भी इस क्षेत्र में हैं। रविवार को संयुक्त अरब अमीरात पहुंचे जेलेंस्की ने कहा कि उनका सऊदी अरब और तुर्की जाने का भी इरादा है, लेकिन कोई तारीख तय नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि उनकी रूसी या अमेरिकी अधिकारियों से मिलने की कोई योजना नहीं है। माना जा रहा है कि यूक्रेन को सऊदी द्वारा आयोजित वार्ता में आमंत्रित नहीं किया गया है।

नेपाली छात्रों से दुर्व्यवहार के मामले में ओडिशा के इंजीनियरिंग कॉलेज से दो सुरक्षाकर्मी बर्खास्त, तीन अधिकारी निलंबित

एजेंसी

काठमांडू। भारत के ओडिशा प्रदेश के भुवनेश्वर में रहे कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी में रविवार की रात को एक नेपाली छात्रा की आत्महत्या के बाद उत्पन्न तनाव और वहां के सुरक्षाकर्मियों के नेपाली छात्रों के साथ की गई मारपीट और दुर्व्यवहार में शामिल दो सुरक्षाकर्मी को बर्खास्त करने के साथ प्रशासन के तीन अधिकारियों को जांच पूरी होने तक निलंबित कर दिया गया है। नेपाली छात्रा की आत्महत्या के बाद स्थानीय पुलिस ने उसी संस्थान के एक छात्र को भी गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना का विरोध कर रहे नेपाली छात्रों के साथ संस्थान के प्रशासन के अधिकारियों ने न सिर्फ दुर्व्यवहार किया बल्कि एक नोटिस जारी करते हुए तत्काल हॉस्टल खाली करने का निर्देश दिया। इस संस्थान में नेपाल के करीब 1500 छात्र अध्ययन करते

हैं। छात्रों को हॉस्टल खाली करने के निर्देश के बाद उनके साथ वहां मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने मारपीट की घटना। इस मामले को तूल पकड़ता देख कैंपस प्रशासन ने मारपीट में संलिप्त दो सुरक्षा कर्मियों को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया। साथ ही केआईआईटी ने जारी बयान में कहा कि प्रशासन ने नेपाली छात्रों के साथ दुर्व्यवहार करने और गाली गलौज करने वाले हॉस्टल वार्डन सहित तीन अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। इस बयान में बताया गया कि हॉस्टल खाली करने के अपने पहले के निर्णय को वापस लेते हुए सभी नेपाली छात्रों से तुरंत वापस लौटने और अपना अध्ययन जारी रखने की अपील की गई है। भुवनेश्वर और कटक के स्टेशन पर पहुंचाए गए नेपाली छात्रों को वापस लाने के लिए स्थानीय पुलिस ने भी अपील की है।

फिलीपीन में तमिल कवि तिरुवल्लुवर की प्रतिमा का अनावरण

एजेंसी

मनीला। भारतीय राजदूत हर्ष कुमार जैन ने प्रसिद्ध तमिल कवि और दार्शनिक तिरुवल्लुवर की प्रतिमा का फिलीपीन में अनावरण किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। फिलीपीन में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि प्रतिमा का अनावरण शनिवार को सेबू शहर के गुल्लास कॉलेज ऑफ मेडिसिन (जीसीएम) में किया गया। राजदूत ने कॉलेज में भारत-फिलीपीन सांस्कृतिक एवं शैक्षिक आदान-प्रदान सम्मेलन में भी हिस्सा लिया। दोनों कार्यक्रम भारत और फिलीपीन के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किए गए। बयान में कहा गया, यह कार्यक्रम जीसीएम द्वारा अपने मुख्य कार्यकारी सलाहकार डॉ. डेविड पिल्लई के नेतृत्व में आयोजित किया गया था, जिन्होंने कॉलेज में तिरुवल्लुवर की प्रतिमा स्थापित करने का कार्य शुरू किया था। कार्यक्रम में भारत और फिलीपीन के सांस्कृतिक दलों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं। इसमें फिलीपीन की पूर्व राष्ट्रपति ग्लोरिया मैकापगल अरोयो, वरिष्ठ अधिकारी, राजनयिक और भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्य शामिल हुए।

इजरायली सेना को 18 फरवरी तक लेबनान से पूरी तरह हटना होगा : हिजबुल्लाह प्रमुख

एजेंसी

बेरूत । हिजबुल्लाह के महासचिव नईम कासिम ने कहा कि इजरायल को 18 फरवरी (मंगलवार) तक लेबनान से पूरी तरह हट जाना चाहिए। कासिम ने एक टेलीविजन भाषण में कहा, आज, हमारे सामने 18 फरवरी की समयसीमा है, कब्जे वाली सेना को दक्षिणी लेबनान से पूरी तरह हट जाना चाहिए। उसे किसी भी तरह की उपस्थिति नहीं रखनी चाहिए। समाचार एजेंसी के मुताबिक हिजबुल्लाह महासचिव ने कहा कि लेबनानी राज्य यह सुनिश्चित करने के लिए 'हर संभव प्रयास करे' कि इजरायल तय समय पर वापस लौट जाए। इजरायल ने लेबनान से सेना की पूरी वापसी को 18 फरवरी तक के लिए टाल दिया था। वह शुरुआती समय सीमा तक ऐसा करने से चूक गया था।इजरायली सेना ने समय सीमा से परे दक्षिणी लेबनान में पांच रणनीतिक ठिकानों पर नियंत्रण बनाए

रखने का इरादा भी जाहिर किया , लेकिन हिजबुल्लाह ने इस कदम को भी खारिज कर दिया। कासिम ने भाषण में कहा, कोई पांच प्वाइंट या कुछ और नहीं... यही समझौता है। इस बीच, रविवार रात को इजरायली सेना ने दक्षिणी लेबनान और बेका क्षेत्र के इलाकों पर हवाई हमले किए। लेबनान की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (एनएनए) के अनुसार, युद्धक विमानों ने हरबता शहर के बाहरी इलाके में दो हवाई हमले किए। तीसरा हवाई हमला शहर पर किया गया। एनएनए ने कहा कि इजरायली लड़ाकू विमानों ने दक्षिणी लेबनान में वादी अल-जैनी शहर पर भी हवाई हमला किया। हिजबुल्लाह और इजरायली सेना के बीच संघर्ष विराम समझौता 27 नवंबर, 2024 से प्रभावी है, जिसने गाजा युद्ध के कारण एक साल से अधिक समय से चल रहे संघर्षों को रोक दिया। इस समझौते के तहत इजरायल को 60 दिनों के भीतर लेबनानी क्षेत्र से हटना होगा। लेबनानी सेना सीमा पर और दक्षिण में नियंत्रण संभालेगी, जिससे लिटानी नदी के दक्षिण में हथियारों या सशस्त्र समूहों की मौजूदगी सुनिश्चित होगी। 27 जनवरी को, लेबनान की कार्यवाहक सरकार ने युद्ध विराम समझौते को 18 फरवरी तक बढ़ाने की घोषणा की, इससे इजरायल की पूरी तरह वापसी के बिना शुरुआती 60-दिवसीय अवधि समाप्त हो गई। युद्ध विराम के बावजूद, इजरायली सेना ने सुरक्षा खतरों का हवाला देते हुए लेबनान में हमले जारी रखे हैं।

स्थानीय समाचार

जावेद राणा ने राजस्थान में जल शक्ति मंत्रियों के सम्मेलन में भाग लिया

उदयपुर 18 फरवरी। जल शक्ति मंत्री जावेद अहमद राणा ने राजस्थान के उदयपुर में जल पर दूसरे अखिल भारतीय राज्य मंत्रियों के सम्मेलन 2025 में भाग लिया।

18 से 19 फरवरी तक दो दिवसीय सम्मेलन का विषय जल विजन/2047-एक जल सुरक्षित राष्ट्र है, जिसका आयोजन राष्ट्रीय जल मिशन, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है।

जावेद राणा ने जल संसाधनों के सतत उपयोग के प्रति जम्मू

और कश्मीर सरकार के व्यापक दृष्टिकोण को साझा किया और जल आपूर्ति और भंडारण प्रबंधन के विषय पर जम्मू कश्मीर की जल नीति पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा, हमें अपने जल स्रोतों को बढ़ाने और भावी पीढ़ियों के लिए टिकाऊ जल संसाधन प्रबंधन सुनिश्चित करने की दिशा में एक केंद्रित दृष्टिकोण देना होगा।

राणा ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम के मिजाज में आए बदलाव ने हमारे जल संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव डाला है और आने वाली पीढ़ियों के लिए इन्हें सुरक्षित रखने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, जल संसाधनों का प्रभावी प्रबंधन एक समग्र और भागीदारी दृष्टिकोण की मांग करता है। पानी के मूल्य के बारे में जागरूक होना और इस महत्वपूर्ण संसाधन को संरक्षित करने के लिए कार्य करना हम में से प्रत्येक की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि इस दिशा में जल स्रोतों के आसपास पेड़ लगाने और स्वच्छता बनाए रखने सहित वैज्ञानिक उपाय करने की जरूरत है।

एक विकसित, जल-सुरक्षित भारत की दृष्टि भविष्य की पीढ़ियों के लिए हमारी नदियों और पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित करते हुए कृषि, उद्योग और घरेलू उपयोग का समर्थन करने के लिए टिकाऊ जल प्रबंधन के महत्व पर जोर देती है।

उन्होंने एकीकृत और टिकाऊ जल प्रबंधन के लिए जम्मू-कश्मीर सरकार के विचारों, दृष्टिकोण और उठाए गए कदमों और लोगों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने, भूजल स्तर में सुधार के लिए सरकार द्वारा की गई पहल और जल विजन/2047 के तहत योजनाओं को साझा किया। सम्मेलन पर अपने विचार साझा करते हुए राणा ने कहा कि उदयपुर में सम्मेलन भारत के जल सुरक्षा भविष्य को आकार देने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। सम्मेलन जल विजन/2047 को वास्तविकता में बदलने के लिए आवश्यक ठोस कार्यों पर केंद्रित था। दूसरा अखिल भारतीय राज्य जल मंत्रियों का सम्मेलन 2025 एक ऐतिहासिक आयोजन है, जो भारत की जल सुरक्षा दृष्टि को आकार देने के लिए शीर्ष नीति निर्माताओं और विशेषज्ञों को एक साथ लाता है। सम्मेलन प्रभावी शासन, सीमा पार सहयोग, नवोन्मेषी वित्तपोषण और सामुदायिक भागीदारी सहित जल प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर केंद्रित होगा। इसमें तकनीकी समाधान, कुशल जल उपयोग और सभी क्षेत्रों में बेहतर समन्वय पर भी जोर दिया जाएगा।

सतीश शर्मा ने एसएमजी कार्यालय में रिकवरी वाहन का उद्घाटन किया

जम्मू 18 फरवरी। परिवहन, एफसीएस और सीए, युवा सेवा और खेल, सूचना प्रौद्योगिकी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, एआरआई और प्रशिक्षण मंत्री सतीश शर्मा ने एसएमजी कार्यालय में स्टेट मोटर गैरेज जेएंडके के रिकवरी वाहन का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर निदेशक एसएमजी ताहिर मलिक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी और स्टाफसदस्य उपस्थित थे।

उद्घाटन करने के बाद, मंत्री ने कार्यालय परिसर का दौरा किया और वाहन की धुलाई, सर्विसिंग, ट्यूनिंग और मरम्मत जैसी अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया।

मंत्री ने एसएमजी के स्टाफसदस्यों और ड्राइवरों से भी बातचीत की और उनके मुद्दों और शिकायतों के बारे में जानकारी ली। मंत्री को अवगत करवाया गया कि रिकवरी वाहन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा क्योंकि इसका उपयोग टोइंग वाहन के रूप में किया जा सकता है और साथ ही क्षतिग्रस्त वाहन को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने में भी मदद मिलेगी। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने एसएमजी को ऐसी पहल करने के लिए बधाई दी जिससे विभाग की कार्यप्रणाली मजबूत होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह वसूली वाहन विभाग के लिए एक संपत्ति साबित होगा क्योंकि यह विभाग के लिए राजस्व भी उत्पन्न करेगा। उन्होंने सुझाव दिया कि विभाग आम जनता को उनके क्षतिग्रस्त वाहन को खींचने और एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने के लिए वाहन किराए पर भी दे सकता है क्योंकि निजी कंपनियां इस उद्देश्य के लिए भारी रकम वसूलती हैं।

उन्होंने दोहराया कि सरकार कर्मचारियों विशेषकर चालक समुदाय के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और उनकी वास्तविक मांगों और मुद्दों के समाधान के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

उपायुक्त द्वारा विरासत स्थल बहाली और चरण-3 परियोजना पहचान की समीक्षा

उधमपुर 18 फरवरी। वास्तुशिल्प और विरासत स्थलों के पुनरुद्धार, बहाली, संरक्षण और रखरखाव के लिए जिला स्तरीय समन्वय-सह-कार्यान्वयन समिति की बैठक उपायुक्त सलोनी राय की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक चरण-3 के तहत निष्पादन के लिए विरासत परियोजनाओं की पहचान करने और जिले में पहले से अनुमोदित विरासत स्थलों की प्रगति की समीक्षा करने पर केंद्रित थी।

बैठक में अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त राजिंदर सिंह, अतिरिक्त उपायुक्त प्रेम सिंह, डीएफओ उधमपुर, सहायक आयुक्त विकास डॉ. रणजीत सिंह कोतवाल तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान, शौचालय, पेयजल और प्रकाश सुविधाओं जैसी आवश्यक सुविधाओं के प्रावधान सहित विरासत स्थल विकास के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। समिति ने मौजूदा संरचनाओं की बहाली, संरक्षण और नवीकरण के साथ-साथ जल निकायों की सफाई और कायाकल्प और अन्य संबंधित कार्यों की योजनाओं की भी समीक्षा की।

देश के 50 प्रतिशत सनातनियों ने लगाई त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी, श्रद्धालुओं की संख्या 55 करोड़ पार

महाकुम्भ नगर, 18 फरवरी। तीर्थराज प्रयागराज की धरती पर बीते 13 जनवरी से आयोजित हो रहा दिव्य-भव्य धार्मिक, सांस्कृतिक समागम महाकुम्भ 2025 अब इतिहास रच चुका है। यहां अबतक 55 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगाकर धार्मिक और सांस्कृतिक एकता की अद्वितीय मिसाल कायम की है। 55 करोड़ से अधिक की यह संख्या किसी भी धार्मिक, सांस्कृतिक या सामाजिक आयोजन में मानव इतिहास की अबतक की सबसे बड़ी सहभागिता बन चुकी है। एक अनुमान के मुताबिक भारत में कुल 110 करोड़ सनातनी निवास करते हैं। इस लिहाज से महाकुम्भ में देश की आधे सनातनी त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाकर पुण्य फल प्राप्त कर चुका है। 26 फरवरी को शिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व तक यह संख्या 60 करोड़ से भी ज्यादा हो सकती है। यह सब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार के सुव्यवस्थित प्रयासों से भारत की इस प्राचीन परंपरा ने अपनी दिव्यता और भव्यता से पूरी दुनिया को मुग्ध कर दिया है।

भारत एक धार्मिक देश है। यहां एक नहीं, बल्कि कई धर्मों को मानने वाले लोग एक साथ मिलकर रहते हैं। हालांकि, इसमें सबसे बड़ी संख्या सनातन धर्म को मानने वालों की है। वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू, प्यू रिसर्च के मुताबिक भारत की अनुमानित जनसंख्या 143 करोड़ (1.43 अरब) है। इसमें सनातन धर्मावलंबियों की संख्या लगभग 110 करोड़ (1.10 अरब) है। इस तरह अगर स्नानार्थियों की संख्या की तुलना भारत में सनातनियों की संख्या से की जाए तो 50 प्रतिशत लोग अब तक त्रिवेणी संगम में स्नान कर चुके हैं। यदि देश की कुल जनसंख्या से स्नानार्थियों की तुलना की जाए तो यह 38 प्रतिशत से अधिक बैठता है।

यानी देश की कुल जनसंख्या की 38 प्रतिशत से ज्यादा जनसंख्या त्रिवेणी संगम में स्नान कर चुकी है। प्यू रिसर्च 2024 की रिपोर्ट मानें तो पूरी दुनिया में 120 करोड़ (1.2 अरब) आबादी सनातन धर्म को मानने वाली है। इस लिहाज से पूरी दुनिया के 45 प्रतिशत से ज्यादा सनातनियों ने संगम में डुबकी लगाई है। मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतों, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, स्नानार्थियों और गृहस्थों का स्नान अब उस शिखर के भी पार पहुंच गया है, जिसकी महाकुम्भ से पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उम्मीद जताई थी। सीएम योगी ने पहले ही अनुमान जताया था कि इस बार जो भव्य और दिव्य महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है वह स्नानार्थियों की संख्या का नया रिकॉर्ड स्थापित करेगा। उन्होंने शुरुआत में ही 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई थी। बता दें कि उनका यह आंकलन बीते 11 फरवरी को ही सच साबित हो गया था। वहीं शुक्रवार (14 फरवरी) को यह संख्या 50 करोड़ के ऊपर पहुंच गई और अब इसने 55 करोड़ का नया शिखर छू लिया है। अभी महाकुम्भ के समापन में 09 दिन शेष हैं और एक महत्वपूर्ण स्नान पर्व शेष है।

समाजवादी पार्टी के लोग अपने बच्चों को इंग्लिश स्कूल में पढ़ाएंगे और दूसरों के लिए उर्दू की वकालत करते हैं : योगी

लखनऊ, 18 फरवरी। उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष, विशेष रूप से समाजवादी पार्टी, पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सपा अपने बच्चों को इंग्लिश मीडियम स्कूलों में पढ़ाएगी और जब सरकार आम जनता के बच्चों को बेहतर सुविधाएं देने की बात करती है, तो ये लोग उर्दू थोपने की वकालत करने लगते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा देश को कठमुल्लापन की ओर ले जाना चाहती है, जो कतई स्वीकार्य नहीं होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की स्थानीय बोलियों—भोजपुरी, अवधी, ब्रज और बुंदेलखंडी को विधानसभा की कार्यवाही में स्थान देने के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इन बोलियों को हिंदी की उपभाषाएं मानते हुए सरकार इनके संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार इन भाषाओं के लिए अलग-अलग अकादमियों का गठन कर रही है, ताकि ये समृद्ध हों। ये हिंदी की बेटियां हैं और इन्हें उचित सम्मान मिलना चाहिए। यह सदन केवल विद्वानों के लिए नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग की आवाज को यहां स्थान मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग भोजपुरी, अवधी, ब्रज और बुंदेलखंडी का विरोध कर रहे हैं, वे दरअसल उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के विरोधी हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी को निशाने पर लेते हुए कहा कि इनका चरित्र ही दोहरा हो चुका है।

सीएम योगी ने कहा कि ब्रजभाषा इतनी समृद्ध है कि संत सूरदास ने इसी भाषा में अपनी रचनाएं दीं। इसी तरह, संत तुलसीदास जी ने अवधी में रामचरितमानस की रचना की, जो न केवल उत्तर भारत बल्कि प्रवासी भारतीयों के लिए भी संकट काल में संबल बनी। उन्होंने कहा कि जो लोग आज भोजपुरी, अवधी और ब्रज भाषा का विरोध कर रहे हैं, वे दरअसल भारत की सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं के विरोधी हैं। यह दुखद है कि जब इन भाषाओं को सम्मान दिया जा रहा है, तब कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं।

18वीं जम्मू-कश्मीर वुशु चैंपियनशिप जम्मू में संपन्न हुई

जम्मू 18 फरवरी। चार दिवसीय 18वीं यूटी स्तरीय जेएंडके वुशु चैंपियनशिप इंडोर हॉल भगवती नगर जम्मू में संपन्न हुई, जिसमें 19 जिलों, 06 खेलो इंडिया केंद्रों और जेएंडके पुलिस के लगभग 1200 वुशु खिलाड़ियों ने भाग लिया।

युवा सेवा और खेल, एफसीएस और सीए, परिवहन मंत्री सतीश शर्मा 18वीं यूटी वुशु चैंपियनशिप के समापन समारोह में मुख्य अतिथि थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने युवा उभरते वुशु खिलाड़ियों को मंच देने और इस खेल की प्रमुखता के लिए जम्मू-कश्मीर के हर कोने तक पहुंचने के लिए जम्मू-कश्मीर के वुशु एसोसिएशन की सराहना की।

उन्होंने आह्वान किया कि वुशु खेल जम्मू-कश्मीर में सबसे प्रतिष्ठित खेलों में से एक है, जिसमें पहला एशियाई खेल/विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता और पूरे जम्मू-कश्मीर में एकमात्र राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता यानी द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता है।

मंत्री ने जोर देकर कहा कि खेल सरकार के लिए प्राथमिकता है और वह आने वाले वर्षों में जम्मू-कश्मीर को खेलों का केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अच्छी प्रतिभा है, जिसे निखारने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहन की जरूरत है।

खेल युवाओं को संलग्न करने और उनकी ऊर्जा को खेल की ओर लगाने का एकमात्र माध्यम है।

उन्होंने सभी अभिभावकों को सलाह दी कि वे अपने बच्चों को खेल के प्रति प्रोत्साहित करें जिसके परिणामस्वरूप वे मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत होंगे।

उन्होंने हाल ही में उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में वुशु के सभी पदक विजेताओं को भी बधाई दी।

सकीना इत्तू द्वारा विकासात्मक गतिविधियों की प्रगति, सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा

श्रीनगर 18 फरवरी। स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने श्रीनगर जिले में विकासात्मक गतिविधियों की प्रगति और विभिन्न चल रही सरकारी प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा हेतु बैंक्वेट हॉल में एक मैराथन बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में मुबारक गुल, सलमान सागर, तनवीर सादिक, एहसान परदेसी और मुश्ताक अहमद गुरु सहित श्रीनगर जिले के विधान सभा सदस्यों के अलावा उपायुक्त श्रीनगर, डॉ. बिलाल मोहि-उद-दीन भट्ट, आयुक्त एसएमसी डॉ. ओवैस अहमद, निदेशक स्कूल शिक्षा कश्मीर, निदेशक स्वास्थ्य सेवा कश्मीर और पुलिस और जिला प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया।

बैठक के दौरान, मंत्री ने विभिन्न चल रही प्रमुख परियोजनाओं और किए गए विकास कार्यों की प्रगति पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। उन्होंने विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं के क्रियान्वयन की व्यापक समीक्षा भी की।

इस अवसर पर अधिकारियों को संबोधित करते हुए, मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार प्राथमिकता के आधार पर सार्वजनिक मुद्दों को हल करने और जमीनी स्तर पर उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मंत्री ने कहा कि यह सरकार जम्मू-कश्मीर के लोगों द्वारा चुनी गई है और हम उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने अ
ौर उनके लिए बेहतर सुविधाएं और सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ हैं।

मंत्री ने प्राथमिकता वाली परियोजनाओं को चुनने पर जोर दिया जो बजट चक्र के अनुरूप हों और जनता की जरूरतों और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करें।

उन्होंने अधिकारियों को अतिरिक्त उत्साह और जिम्मेदारी की भावना के साथ काम करने और दयालु तरीके से जनता के साथ उपस्थित रहने और उनके मुद्दों और विकासात्मक आवश्यकताओं का त्वरित निवारण सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया।

मंत्री ने रेखांकित किया कि श्रीनगर कश्मीर का चेहरा है और इसके निवासियों और आगंतुकों के लिए उत्कृष्ट सुविधाएं सुनिश्चित करने के अलावा इसे और अधिक सुंदर बनाने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाने चाहिए।

मंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि बैठक के दौरान जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों को समयबद्ध तरीके से हल किया जाए ताकि उनके संबंधित क्षेत्रों के लोगों को लाभ हो सके।

मंत्री ने सभी विभागों को बैठक में उठाए गए मुद्दों का उचित पालन सुनिश्चित करने और अगली बैठक आयोजित करने से पहले उनका निवारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मंत्री ने लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने और जनता को सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने के लिए निर्वाचित विधायकों और अधिकारियों के बीच मजबूत सहयोग की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

बैठक के दौरान जिले के विधानसभा सदस्यों ने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों के मुद्दों और विकासात्मक मांगों को रखा।

इससे पहले, बैठक के दौरान, श्रीनगर के उपायुक्त डॉ. बिलाल मोहि-उद-दीन भट्ट ने जिला परिदृष्य, विभिन्न क्षेत्रों के कामकाज और विकासात्मक परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण

जल का उपयोग कृषि, उद्योगों, यातायात, ऊर्जा तथा घरेलू उपयोग के संसाधन के रूप में किया जाता है। जल का संरक्षण जीवन का संरक्षण है। जल एक चक्रीय संसाधन है जिसको वैज्ञानिक ढंग से साफ कर पुन: प्रयोग में लाया जा सकता है। पृथ्वी पर जल वर्षा और बर्फ से उपलब्ध होता है। यदि जल का युक्तिसंगत उपयोग किया जाए तो वह हमारे लिये कभी कम नहीं पड़ेगा। परन्तु संसार के कुछ भागों में जल की बहुत कमी है। मनुष्य अपने जीविकोपार्जन के लिये प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करता है। आदि-मानव अपने पर्यावरण से प्राप्त वनस्पतियों एवं पशुओं पर निर्भर था। उस समय जनसंख्या का घनत्व कम था, मनुष्य की आवश्यकताएँ सीमित थीं तथा प्रौद्योगिकी का स्तर नीचे था। अत: उस समय संरक्षण की समस्या नहीं थी। कालान्तर में मनुष्य ने संसाधनों के दोहन की प्रौद्योगिकी में

विकास किया। वैज्ञानिक तथा तकनीकी विकास द्वारा मनुष्य जीविकोपार्जी संसाधनों के अतिरिक्त, उत्पादन के संसाधनों का भी दोहन करने लगा। आज आधुनिक तकनीकी की सहायता से संसाधनों का दोहन और भी बड़े पैमाने पर होने लगा है। जनसंख्या की निरंतर वृद्धि के कारण संसाधनों की मांग बढ़ रही है साथ ही प्रौद्योगिकी के विकास द्वारा इन्हें उपभोग करने की मनुष्य की क्षमता भी बढ़ी है अत: इस होड़ ने यह आशंका उत्पन्न कर दी है कि कहीं ये संसाधन शीघ्र समाप्त न हो जाएँ और पूरी मानवता के जीवन पर ही प्रश्नचिन्ह न लग जाए। प्राकृतिक संपदाओं का योजनाबद्ध और विवेकपूर्ण उपयोग किया जाए तो उनसे अधिक दिनों तक लाभ उठाया जा सकता है, वे भविष्य के लिये संरक्षित रह सकती हैं। संपदाओं या संसाधनों का योजनाबद्ध समुचित और विवेकपूर्ण उपयोग ही उनका संरक्षण है। संरक्षण का यह अर्थ कदापि नहीं कि

1. प्राकृतिक साधनों का प्रयोग न कर उनकी रक्षा की जाए या

2. उनके उपयोग में कंजूसी की जाए या

3. उनकी आवश्यकता के बावजूद उन्हें बचाकर भविष्य के लिये रखा जाए। वरन संरक्षण से हमारा तात्पर्य है कि संसाधनों या संपदाओं का अधिकाधिक समय तक अधिकाधिक मनुष्यों की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अधिकाधिक उपयोग। संरक्षण की आवश्यकतामानव विभिन्न प्राकृतिक साधनों का उपयोग अपनी आवश्यकता की पूर्ति के लिये करता आ रहा है। खाद्यान्नों और अन्य कच्चे पदार्थों की पूर्ति के लिये उसने भूमि को जोता है, सिंचाई और शक्ति के विकास के लिये उसने वन्य पदार्थों एवं खनिजों का शोषण और उपयोग किया है। पिछली दो शताब्दियों में जनसंख्या तथा औद्योगिक उत्पादनों की वृद्धि तीव्र गति से हुई है। विश्व की जनसंख्या आज से दो सौ वर्ष पूर्व जहाँ पौने दो अरब थी वहाँ सवा पाँच अरब पहुँच चुकी है। हमारी भोजन, वस्त्र, आवास, परिवहन, साधन, विभिन्न प्रकार के यंत्र, औद्योगिक कच्चे माल आदि की खपत कई गुनी बढ़ गई है और इस कारण हम प्राकृतिक संसाधनों का तेजी से गलत व विनाशकारी ढंग से शोषण करते जा रहे हैं। उदाहरणार्थ

पिछली दो शताब्दियों में करोड़ों हेक्टेयर भूमि से प्राकृतिक वनस्पतियों वन आदि को साफ किया गया जिससे मिट्टी का कटाव बढ़ चला। भूमि के गलत उपयोग से उसकी उत्पादन क्षमता घट गयी। विभिन्न खनिज पदार्थों की संचित राशि समाप्तप्राय हो गयी है। हम हवा और पानी को भी प्रकृति के मुफ्त देन समझकर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से दूषित करने लगे हैं। अनेक जीव जंतुओं का भी हमने सफाया कर दिया।

तात्पर्य यह है कि प्राकृतिक संतुलन बिगड़ने लगा है। यदि यह संतुलन नष्ट हुआ तो मानव का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा। अत: मानव के अस्तित्व एवं प्रगति के लिये प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण अत्यावश्यक हो चला है।